हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 जुलाई, 1991

खण्ड–1, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 9 जुलाई, 1991

पृश्ठ संख्या

घोशणा	
सचिव द्वारा	(1)1
सदस्यो द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान	(1)1
औचित्य प्र ान कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किये जाने सम्बन्धी	(1)2
सदस्यो द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान पुनरारम्भ	(1)3
अध्यक्ष चुनाव	(1)7
बधाई भाशण	(1)8
उपाध्यक्ष का चुनाव	(2)29
वाक आउटस	(1)30
उपाध्यक्ष का चुनाव (पुनरारम्भ)	(1)31
बधाई भाशण	(1)31

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार , 9 जुलाई, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। कार्यकारी अध्यक्ष (श्री हरपाल सिह) ने 14.00 बजे से 15.50 बजे तक तथा तत्प चात अध्यक्ष (श्री ई ावर सिंह) ने अध्यक्षता की।

घोशणा

सचिव द्वारा

सचिवः– मान्यवर, मुझे सदन को सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के सविधान ने अंनुच्छेद 180 (1) द्वारा उनमे निहित भाक्तियो का प्रयोग करते हुए श्री हरपाल सिह, एम0एल0ए0 को हरियाणा विधान सभा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मुझे सदन को यह भी सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के सविधान के अनुच्छेद 188 द्वारा उन्हे प्रदत्त भााक्तियो का प्रयोग करते हुये हरियाणा विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष को ऐसे व्यक्ति के रूप मे नियुक्त किया है जिसके समक्ष हरियाणा विधानसभा का प्रत्येक सदस्य/सदस्या, अपना स्थान ग्रहण करने से पूर्व, भापथ लेगी प्रतिज्ञान करेगा/करेगी।

सदस्यो द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान

Mr. Acting Speaker: Hon' Members, I congratularte you all on being elected as memebers of the Haryana Vidhan Sabhan and also welcome you to this august House.

Now the Hon'ble Members Will be sworn in. The Oath or Affirmation will be made and subsecirbed by the Hon'ble Members in the following order:

1. Chief Minister

2. Minister

3. Lady Members

4. Other Hon. Members, distirct wise alphabatically in alphabatical order, i.e

(a) Ambala District;

(b) Bhiwani Distirct;

(c) Faridabad District;

(d) Gurgaon District;

(e) Hisar District;

(f) Jind District;

(g) Kaithal District;

(h) Karnal District;

(i) Kurukshetra District;

(j) Mohindergarh District;

(k) Panipat District;

(i) Rewari District;

(m) Rohtak District;

(n) Sirsa District;

(o) Sonepat District;

(p) Yamuna Nagar District;

Now I call upon Shri Bhajan Lal to make and subscricbe the oath/affirmation.

औचित्य प्र ान–

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायट औफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मेरी इतनी सी अर्ज है–

कार्यकारी अध्यक्षः आप बैठिये, क्योकि अभी तो आपने औथ भी नही ली है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मेरी केवल इतनी सी अर्ज है कि जब से दे ा आजाद हुआ है तब से लेकन यानि 1952 के चुनावो से लेकर आज तक.....

कार्यकारी अध्यक्षः वीरेन्द्र सिह जी, आप माफ करना। इस समय प्वायट औफ आर्डर करने का सवाल ही पैदा नही होता। आप तो बहुत पुराने पार्लियामेन्टरियन है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, प्रोटम स्पीकर तो उसे बनाया जाता है जो औल्डैस्ट मैम्बर औफ दी हाउस हो। मेरे ख्याल मे आज आज के हाउस मे श्रीमती चन्द्रावती औल्डैस्ट मैम्बर औफ दी हाउस है और गवर्नर महोदय द्वारा इन्हे प्रोटेम स्पीकर अप्वायट किया जाना चाहिए था। विघन मेरी अर्ज करने का मतलब यह है कि जो पुरानी कन्वैन् ान बनी हुई थी। उसको क्यो तोडा गया ? हम जनता चाहते है कि ऐसी क्या बात थी जिस की वजह से पुरानी कन्वै ान तोडी गई? मेरा फिर अनुरोध है कि जो कन्वै ान बनी हुई थी उसको तोडना चाहिए था।

मुख्यमंत्री श्री भजन लालः स्पीकर साहब, वैसे तो जब तक कोई माननीय सदस्य औथ न ले ले तब तक वह कोई प्वायट आफ आर्डर नही उठा सकते और न ही ऐसा कोई नियम है। मैम्बर तभी बनता है जब वह औथ ले ले। ये बहुत काबिलज वकील है और आत भी इस बात को जानते है क्योकि आप पार्लियामेंट मे काफी लम्बे अरसे तक रहे है। (विघन) इनको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि जब तक कोई सदस्य औथ न ले ले तक तक यह प्वायट आफ आर्डर रेज नही कर सकता। जहां तक बहन चन्द्रावती जो का संबध है, उनका हम बहुत सम्मान करते है, इज्जत करते है। लेकिन बीच मे इनका काफी ब्रेक हो गया, ये गवर्नर बन कर चली गई थी इसलिए हो सकता है कि इनके प्रोटम स्पीकर बनाये जाने बारे कोई भूल हो गई हो। लेकिन इस समय तो प्रोटम स्पीकर के लिए औथ्र दिलाने तक की

ही बात है और गवर्नर महोदय ने आपको इसके लिए नियुक्त किया है। इसलिए इनसे मेरी गुजारि ा है कि कार्यवाही चलने दे।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चीफ मिनिस्टर साहब ने ठीक कहा है कि मैम्बर तो पूरा उसी समय बनता है जब वह औथ ले ले। लेकिन यह बात तो पूरे सदन की यूनानीमसलो माननी चाहिए कि श्रीमती चन्द्रावती इस हाउस की सबसे पुरानी सदस्या है। प्रोटम स्पीकर साहब की जो कन्वैन ान बनी हुई थी उसको तोडना नही चाहिए था। चीफ मिनिस्टर साहब को यह मानना चाहिए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी भी यदि लीडर दी हाउस औल्डैस्ट मैम्बर को प्रोटम स्पीकर बनाये जाने की बात को मान ले तो बडी हैल्दी ट्रेडी ान होगी क्योकि अभी भी कोई ज्यादा लेट बात नही है। हमारे पास टाईम है। इस काम के लिए टाईम गैप दिया जा सकता है और बहन चन्द्रावती जी जो सीनिय मोस्ट मैम्बर है उनको प्रोटम स्पीकर बनाया जा सकता है अगद देर ले आये और दुरस्त आए तो यह बात ठीक रास्ते पर आ जानी चाहिए।

कार्यकारी अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, इस समय न तो कोई डिस्क ान हो सकती है और न ही कोई प्वायट आफ आर्डर रेज हो सकता है। इसलिए मै प्वायट आफ आर्डर को डिस अलाऊ

करता हूं। अगर कोई मैम्बर प्वायट आफ आर्डर रेज करना चाहता है तो वह रूल्ज के मुताबिक रैगुलर सीटिंग मे कर सकता है।

सदस्यो द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान पुनरारम्भ

Mr. Acting Speaker: Now, I will call upon the members to make and subscirbe the oath or affirmation the order I have already annuounced.

The following members were then sworn in:-

CHIEF MINISTER

1. Shri Bhajan Lal	Adampur
MINISTERS	
2. Shri Shamsher Singh Surjewala	Narwana
3. Shri Birender Singh	Uchana Kalan
4. Shri Mange Ram Gupta	jind
5. Shri A.C Chaudhary	Faridabad
6. Smt. Karatar Devi	Kalanaur (S.C)
7. Rao Bansi Devi	Ateli
8. Shri Mahender Partab Singh	Mewla Maharajpur
LADY MEMBERS	

9. Smt. Chandravati	Loharu
10. Smt. Janki Devi Mann	Indri
11. Smt. Santosh Sharwan	Dabwali S.C
12. Smt Shakuntal Bhagwaria	Bawal S.C
13. Smt. Shanti Devi Rathi	Kailana
AMBALA DISTRICT	
14. Shri Nirmal Singh	Neggal
15. Shri Phool Chand Mullana	Mullana (S.C)
16. Shri Purush Bhan	Kalka
17. Shri Sumer Chand Bhatt	Ambala City
BHIWANI DISTRICT	
18. Shri Amar Singh Dhanak	Bawani Khera (S.C)
19. Shri Attar Singh	Badhra
20. Shri Bansi Lal	Tosham
21. Shri Chattar Singh chauhan	Mundhal Khurd
22. Shri Dharam Pal Singh	Dadri
23. Shri Ram Bhajan	Bhiwani
FARIDABAD DISTRICT	

24. Shri Azmal Khan	Hathin
25. Shri Karan Singh Dalal	Palwal
26. Shri Rajinder Singh Bisla	Ballabgarh
27. Shri Ram Rattan	Hassan Pur (S.C)
GURGAON DISTRICT	
28. Shri Dharambir Gauba	Gurgaon
29. Shri Dharam Pal	Sohan
30. Shri Mohan Lal Pipple	Pataudi (S.C)
31. Shri Mohammad LLiyas	Nuh
32. Shri Shakrullah Khan	Ferozepur Jhirka
33. Shri Zakir Hussian	Taoru
HISSAR DISTRICT	
34. Shri Amir Chand Makkar	Hansi
35. Shri Chhatar Pal Singh	Ghirai
36. Shri Joginder Singh	Barwala
37. Shri Lila krishan	Fatehbad
38. Shri Om Parkash Jindal	Hisar
39. Shri Pir Chand	Ratia (S.C)
40. Shri Sampat Singh	Bhattu Kalan

41. Shri Verender Singh	Narnaund
JIND	
42. Shri Bachan Singh	Safidon
43. Shri Suraj Bhan Kajal	Jullana
KAITHAL DISTRICT	
44. Shir Amar Singh	Guhal (S.C)
45. Shri Bharat Singh	Kalyat (S.C)
46. Shri Ishwar Singh	Pundri
47. Shri Ram Kumar Katwal	Rajand
48. Shri Surinder Kumar Madan	Kaithal
49. Shri Tejender Paul Maan	Pai
KARAN DISTRICT	
50. Shri Jai Parkash	Karnal
51. Shri Jai Singh Rana	Niokheri
52. Shri Ram Pal Singh	Jundla (S.C)
53. Shri Ram Pal Singh	Gharaunda
15.00 बजे	
KURUKSHETRA DISTRICT	

54. Shri Jaswinder Singh	Pehowa
55. Shri Khairati Lal	Shanbad
56. Shri Ram Parkash	Thanesar
MOHINDERGARH DISTRICT	
57. Shri Phusa Ram	Narnaul
58. Shri Ram Bilash Sharma	Mohindergarh
PANIPAT DISTRICT	
59. Shri Balbir Paul Shah	Paipat
60. Shri Hari Singh Nalwa	Sambhalkha
61. Shri Karishan lal	Assandh (S.C)
62. Shri Satbir Singh Kadian	Naultha
REWARI DISTRICT	
63. Capt. Ajay Singh	Rewair
64. Rao Indrjit Singh	Jatusana
ROHTAK DISTRICT	
65. Shri Anana Singh dangi	Meham
66. Shri Balwant Singh	Hassangrh
67. Shri Daryo Singh	Jhajjar (S.C)
68. Shri Dhir Pal Singh	Badli

69. Shri Kitab Singh Malik	Gohana
70. Shri Krishan Murti Hooda	Kiloi
71. Shri Om Parkash Beri	Beri
72. Shri Ramesh Kumar	Baroda (S.C)
73. Shri Subhash Batra	Rohtak
74. Shri Suraj Mal	Bahadurgarh
75. Shri Zile Singh	Salhawas
SIRSA DISRICT	
76. Shri Jagdish Nehra	Rori
77. Shri Lachman Dass Aroara	Sirsa
78. Shri Mani Ram Darba Kalan	Darban Kalan
79. Shri Mani Ram Ellanabad	Ellanabad (S.C)
SONEPAT DISTRICT	
80. Shri Jai Pal	Rai
81. Shri Hukam Singh	Rohat
82. Shri Shyam Dass Mukija	Sonepat
YAMUNANAGAR DISTRICT	
83. Shri Lehri Singh	Raduar (S.C)

84. Shri Mohammad Aslam Khan	Chhachharauli
85. Shri Rajesh Kumar Sharma	Yamuna Nagar
86. Shri Sher Singh	Sadhaura (S.C)

Mr. Acting Speaker: Now, those hon'ble members, who have not taken oath or made affirmation earlier, but are present now, may make and subsrcibe oath/affirmation.

AMBALA DISTRICT (RESUMPTION)

86. Shri Surjit Kumar	Naraningrh

अध्यक्ष का चुनाव

Mr. Acting Speaker: Hon'ble Members, now We come to the electon of the Speaker.

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं:–

कि श्री ई वर सिह, जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य है और सदन मे उपस्थित है, सभा के अध्यक्ष के रूप मे पीठासीन हो।

सिचाई तथा बिजली मंत्री(श्री भाम ेर सिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हू।

Mr. Acting Speaker: Mtion moved-

That Shri Ishawar Singh] a Members of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, do take the Chairas as Speker of the Assembly.

Is there andy other proposal?

Voices: No

Mr. Acting Speaker: Since there is no other propsal, I declare Shri Ishawar Singh duly elected as Speker unanimously. (Thumping) I call upon him to take the Chair.

(At thsi stage Shri Ishawar Singh, escorted by the Chief Minister, irrigation & Power Minister and Shri Sampat Singh, a members of the opposition, occurpried the Chair

बधाई भाशण

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै अपनी पार्टी की और से और सारे सदन की तरफ से आपको मुबारिकबाद देता हू। आपने इस गरिमापूर्ण सदन का अध्यक्ष पद ग्रहण किया है। हमे पूरा वि वास है और पूरा भरोसा है कि आपकी इतनी योग्यता है इतना आपका अनुभव है इतना आपका ज्ञान है और आप इतने विद्धान है कि आपसे इस सदन का अध्यक्ष पर सु ाोभित हुआ हैं। हमे पूरा भरोसा है कि आप इस महान सदन की मान और मर्यादा का कायम रखेगे। आपने अपने जीवनकाल मे अनेको भाानदार काम किये है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि आप ने बहुत उच्चकोटी की ि ाक्षा प्राप्त की है। आपने कई

सस्थाएं और कालेज भी चलाए है आपने एग्रीकल्चर कम्पलैक्स कौल मे चलाया और वहा भी बहुत भाानदार काम किया। इसके अलावा आपने स्कूल, कालेज और समाज सुधार के भी अनेको काम किये। इसके अलावा आपने स्कूल, कालेज और समाज सुधार के भी अनेको काम किये और सदन की कार्यवाही को भी आपने बहुत गरिमा के साथ चलाया है। आप को बहुत लम्बा अनुभव है। आपके इस लम्बे अनुभव का हम सभी सदस्य लाभ उठायेगे और हम आ ाा है कि आप इस सदन को बहुत भाानदार तरीके से चलाएगे तथा सभी सदस्यो के विचार सुनेगे और उनकी आ ााओ को पूरा करेगे। हमे पूरा वि वास है कि जिस लग्न और निश्ठा के साथ आपने जीवन मे कार्य किया है यहा पर वैसे ही कार्य करेगे। आपकी कार्य ौली तथ कार्यपद्धती अनुसरण करने योग्य है। आपने जीवन मे हर बात को बहुत भाानदार तरीके से और बहुत गम्भीरता से लिया है। अध्यक्ष महोदय आप जानते है कि आप चौथी बार विधान सभा के सदस्य चुने गए है। आपका अनुभव बहुत लम्बा है और आपके इस अनुभव का हम सभी लाभ उठाएगे। मै एक बार फिर सारे सदन की और से आपको बाधाई देता हू और परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि वह आपके भविश्य को और भी अधिक उज्जवल बनाए और जिस प्रकार आपने अपने जीवन मे भाानदार काम किया है उसी ढग से इस सदन की सेवा भी भाानदार तरीके से करे। इन भाब्दो के साथ मै आपको फिर अपनी और से हार्दिक बधाई देता हू। मै अपोजी ान के सभी माननीय लीडर्ज और सभी विधायको का भी अभारी हू कि उन्होने

सर्वसम्पती से आप का चयन किया है। इस बात के लिए सारा हाऊस मुबारिकवाद का मुस्तहिक है। (धन्यवाद)

सिचाई तथा बिजली मंत्री(श्री भाम ेर सिह सुरजेवाला): चौधरी ई वार सिंह जी हरियाणा के लोगो मे प्रौफैसर ई वर सिंह के नाम से प्रख्यात रहे है। इन का ि ाक्षा जगत मे बहुत प्रमुख स्थान रहा है। आपका कार्यक्षेत्र पुराना करनाल जिला रहा है जिसके अब तीन जिले बन चुके है। आपके अपने इलाके मे सामाजिक और ि ाक्षा के क्षेत्र मे जो सेवाए की है वे बहुत ही सराहनीय है तथा अनुसरण करने योग्य है। चौधरी ई वर सिंह जी हरियाणा विधान सभा के चार बार सदस्य रहे इसके साथ ही हरियाणा प्लानिग बोर्ड के डिप्टी चैयरमैन और मार्कीटिंग एग्रीकल्चर बोर्ड के अध्यक्ष के नाते भी इन्होने बडा नाम कराया। जब ये मार्कीटिंग ऐग्रीकल्चर बोर्ड के अध्यक्ष थे तो उस समय हरियाणा मे काफी सडको का और मण्डियो का निर्माण हुआ। चौधरी ई वर सिह ऐसे व्यक्ति है जिनकी पब्लिक लाईफ पूरी तरह से जनसेवा और समाजसेवा को समर्पित रही है। जिसके फलस्वरूप ये आज यहां इस कुर्सी पर बैठे है। इनके आज अध्यक्ष पद की कुर्सी पर सु ाोभित होने से इस सदन को ही नही बल्कि पूरे हरियाणा के औजस्वामी लोगो को एक महान सम्मान मिला है।

जहां तक इस सदन की परम्पराओ का सवाल है, मुझे इस बात मे कोई सदेह नही है कि इनके हाथो मे सदस्यो के जो अधिकार है, वह सम्पूर्ण रूप से सुरक्षित रहेगे। यह सदन को पूरे

निश्पक्ष तरीके से चलायेगे और सदस्यो को पूर्ण रूप से बोलने का मौका देगे ताकि वह यहां पर अपने अपने इलाके और अपने अपने हल्को की समस्यओ की और सारे हरियाणा प्रान्त की सभी बातो को समूचे रूप से सदन मे कह सके। मै अपने सदन के नेता और मुख्यमंत्री महोदय को इस बात के लिये बधाई देता हू कि उन्होने और हमारी पार्टी के लोगो ने चौधरी ई वर सिंह जैसे आदमी को चुनकर वाकई एक सरानीय काम किया है। मै इस चुनाव के लिये विपक्ष के हमारे जो माननीय सदस्य है, उनको भी इस बात के लिये बधाई देता हू। उन्होने भी एक बडे उदार हदय का सबूत दिया है कि सर्वसम्मत तरीके से अध्यक्ष पद का चुनाव होना चाहिये। हरियाणा विधान सभा मे काम की भुरूआत जो आज अध्यक्ष पद के सर्वसम्मत चुनाव से हुई है मै समझता हूं कि इससे एक बात जाहिर हुई है कि हमारी मन ाा क्या है। सब सदस्यो ने अपने हित को ध्यान मे रखते हुए एक बहुत ही अच्छी भुरूआत की है। मुझे उम्मीद है कि इस सदन मे जिन आका ाओ से लोगो ने सदस्यो को चुनकर भेजा है, उनको पूर्ण रूप से पूरा करने के लिये यह सदन चौधरी ई वर सिंह के नेतृत्व मे पूरा उतरेगा। इन भाब्दो के साथ अध्यक्ष महोदय, मै आपको बधाई देता हू और अपना आसन लेता हू। (धन्यवाद)

श्री सम्पत सिह (भटटू कला): आदरीणय अध्यक्ष जी, आपके अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से आपको मुबाकिवाद देता हूं।

हरियाणा प्रदे ा के सभी लोग यह जानते है कि आप एक उच्च कोटी के राजनीतिज्ञ है। एक बुद्धिजीवी है, समाजसेवी है और भौक्षणिक सस्थाओ से भी आपका बडा वास्ता है। ऐसा आपका व्यक्तित्व है। अनेक सामाजिक सस्थाए है जिनमे आपका नाम जुडा हुआ है। मुझे बडी खु ाी हुई जब आपका नाम अध्यक्ष पद के लिए आया। आपका नाम आते ही सहर्श हम लोगो ने एक मत से आपका चुनाव किया। आपका पद एक उच्च गरिमा का पद है। हम आपसे उसी तरह की आ ाा रखते है जैसे दूसरे लोगो ने आपसे निवेदन किया कि है कि आप निश्पक्ष होकर इस कुर्सी पर रहेगे। सभी सदस्यो की और उनके अधिकारो की आप रक्षा करेगे। स्पीकर ही मैम्बर्ज के राईटस का कस्टोडियन होता है इसलिए वि ोशकर अपोजी ान के लोग आपसे गुजारि ा करेगे कि जहा तक अपोजि ान को टाईम देने का ताल्लुक है, आप हमसे न्याया करेगे। हमे आ ाा है इस बात को देखते हुए कि यहा पर बराबर की अपोजि ान है आप हमे पूरा टाईम देगे। कई बार हो सकता है थोडी बहुत गलती भी हो सकती है क्यो कई सदस्य चुनकर आये है। हम इस बारे मे आपसे उम्मीद करते है कि आप ऐसी बातो को बडे उदार हदय से लेगे क्योकि आप एक बडे ही गम्भीर व्यक्तित्व के धनी हैं मै एक बात फिर आपको मुबारिकवाद देता हू और गुजारि ा करता हू कि अगर आप मेरे सुझाव को मानेगे तो एक हैल्दी ट्रेडी ान बनेगी। जब आप हरियाणा प्रदे ा की विधान सभा के स्पीकर चुने गये है तो आज से ही आप हाउस मे नानपार्टीमैन हो गये है। भाायद यह बात आपके दिमाग मे भी आ

गयी है कि मेरा अब किसी भी पार्टी से सम्बन्ध नही रहा है। आज से आप अध्यक्ष हो गये है। आपका चुनाव सर्वसम्मति से हुआ है। मुझे आ ाा है कि यह आपके दिल की भी आवाज है कि अब चाहिये। अगर एन्टी डिफ्रैक ान बिल बीच मे नही आता है तो मै आपसे यह पुरजोर गुजारि ा करूगा कि आपको किसी भी पार्टी का सदस्य नही रहना चाहिये और अपनी काग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर एक स्वस्थ परम्परा कायम करनी चाहिये यह मै आपसे उम्मीद करता हू । एक बात की मै आपी मार्फत रूलिग पार्टी से अपील करता हू। जैसे हमने स्वस्थ परम्परा डाली है, उसी तरह से स्वस्थ परम्परा कायम रह सके। इसके लिए जैसे स्पीकर का चुनाव यूनानीमस हुआ है उसी तरह से डिपटी स्पीकर का पद अपोजी ान को दिया जाना चाहिये। अध्यक्ष के पर के लिए रूलिग पार्टी की तरफ से जो प्रस्ताव आया था उसको आपोजि ान पार्टी से माना है। **16.00 बज।** स्पीकर साहब, आपोजि ान पार्टी रूलिग पार्टी के बराबर हो आई है। 51 मैम्बर्ज रूलिग पार्टी के है और उनतालोस दूसरे लोग है। स्पीकर सहाब काग्रेस रूलिग पार्टी के बाद हमारी जनता पाट्री सब से बडी पार्टी है इसलिए हमारे आदमी को उपाध्यक्ष मान लिया जाए। यह एक बहुत ही हैल्दी ट्रैडी ान होगी। स्पीकर साहब, आपको याद होगा कि 1987 मे जब हमारी पार्टी की गवर्नमैट आई तो उस समय हमने यह ट्रैडी ान कायम की कि हमने स्पीकर का पद एक इडिपैट मैम्बर को दिया। हमने उस समय एक इडिपैडेन्ट को स्पीकर का पद एक इथ्डपैडैम्न ही हैल्दी ट्रेडी ान कायम की थी एक अच्छी परम्परा कायम की थी।

अगर अपोजी ान को डिप्टी स्पीकर का पद नही दिया जाता तो यह अच्छी परम्परा नही होगी। स्पीकर साहब, उस वक्त काग्रेस पार्टी के पांच सदस्य थे और इडिपैडेन्ट छः थे लेकिन डिप्टी स्पीकर के पर के बजाए स्पीकर का पद एक इडिपैडेन्ट मैम्बर को दिया। (विध्न) स्पीकर साहब, मै बहुत ही सीरियस बात कर रहा हू। मेरी बात को लाइटली लेने की बात नही है एक हैल्दी ट्रेडी ान डालने की बात है। अगर रूलिग पार्टी वाले डिप्टी स्पीकर का पद अपोजी ान पार्टी के मैम्बर का मान लेते है तो यह अच्छी परम्परा होगी। इतना ही कहर कर मै समाप्त करता हू और आपको फिर बधाई देता हू।

श्री बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपको अपनी और से और अपनी पार्टी के सदस्यो की और से हार्दिक मुबाकरवाद देता हू। सदन के नेता ने जो आपका नाम प्रोपोज किया यह बहुत ही अच्छा काम किया है। आप इस योग्य है और आप इस कुर्सी को सु ाोभित रखने की हर योग्यता रखते हैं मै आपको बहुत लम्बे अर्स से जानता हू । आपके साथ मेरा बहुत सम्पर्क रहा है। आप इस सदन को पहले भी चलाते रहे है और मुझे पूर्ण वि वास है कि आप इस सदन की गरिमा की बनाए रखेगे और आप इस सदन को बहुत खूबसूरती से चलाएगे। स्पीकर साहब, लीडर आफ दि अपोजी ान ने कहा कि सारे अपोजी ान ने बडे अच्छे एटमासफेयर मे आपके चुनाव को युनानोमसली किया, आपका चुनाव सर्वसम्मति से किया। इसी हैल्दी

ट्रेडी ान को बनाने के लिए, हैल्दी ट्रेडी ान और पार्लियामैन्टरी डैमोक्रेसो को कायम करने के लिए जैसा कि लोक सभा मे होता है, मै आपका जरिए सदन के नेता से प्रार्थना करूगा कि जो सिंगल लाजैस्ट पार्टी सत्ता दल के बाद है उनका विधायक डिप्टी स्पीकर बनाया जाए ताकि एक अच्छा प्रथा कायम हो सके। स्पीकर साहब, मै आपको वि वास दिलाता हू कि मै और मेरी पार्टी के सदस्य हाउस के डेकोरम को कायम रखने से पूरा सहयोग करेगे। मै ई वर से प्रार्थना करता हू कि वह आपकी लम्बी आयू दे आपका भविश्य उज्जवल हो और आप जीवन मे हर तरह से तरक्की करते रहे। मै एक बार फिर आपको बधाई देता हू।

श्रीमती चन्द्रावती लोहारूः स्पीकर साहब, सदन के नेता ने विरोधी पक्ष के नेता के और चौधरी बसी लाल ने आपके स्पीकर चुने जाने पर जो बधाई दी है मै भी अपने आपको उसके भाामिल कते हुए आपको बधाई देती हूं। स्पीकर साहब, मुझे उम्मीद ही नही बल्कि पूरा भरोसा है कि आपके स्पीकर चुने जाने से इस हाउस की गरिमा बढेगी और हमारे अधिकार सुरक्षित रहेगे। स्पीकर साहब, चौधरी सम्पत सिह ने प्रस्ताव रखा है कि उनकी पार्टी चूकि सब से बउी पार्टी इस सदन मे है इसलिए डिप्टी स्पीकर साहब का पद उनकी पार्टी को दिया जाए। स्पीकर साहब, उनका विधायक डिप्टी स्पीकर चुनने से बहुत हैल्दी परम्परा पडेगी और मै इसके हम मे हू। आपका बहुत धन्यवाद।

राजस्व मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिह): अध्यक्ष महोदय, इस गरिमामय सदन की अध्यक्षता का कार्यभार सभालने पर हम सब आपको अपनी भ्ाुभकामनाए देते है। मैने आपकी कार्य ौली को बहुत नजदीक से देखा है। जब मै स्टुडैन्ट था तेा उस समय आप एक बार रोहतक मे आए थे। एक फक ान मे आप के विचार सुनने का मुझे मौका मिला था ओर और आपके वे लफ्ज मुझे आज तक याद है। आपने कहा था कि ज्ञान जो है वह अमृत है और अमृतपान करने के लिए किसी चीज की जरूरत नही होती। अगर ज्ञान है और से पिलाना पडे तो ज्ञान का अमृत अव य पिलाना चाहिए और यह बात आपने अपने राजनीतिक व सामाजिक जीवन मे साबित भी कर दी। अध्यक्ष महोदय, बुद्धिजीवी होना तो कोई बडी बात नही है। वह तो कुदरती बात है और इन्सान को मेहनत की गावों को छोडकर भाहरो मे, नगरो मे जाकर बस जाते है लेकिन आप ऐसी बुद्धिजीवी है जो कि गावो से ही जुडे रहे, देहातो से ही जुडे रहे और वह जो ज्ञान का अमृत है वह किसी एक भाहर मे, किसी एक स्थान मे न रखते हुए आपने सारे इलाके के लोगो को दिया। आज उसी की वजह से हम यह बात कर सकते है कि हरियाणा कृशि जगत मे एक स्थान रखता है एक महत्व रखता हैं । इस बारे मे मै अगर यह भी कहू तो उसमे कोई अति योक्ति नही होगी कि इसमे आपका भी बडा योगदान रहा है।

अध्यक्ष महोदय, आज आपने इस अध्यंक्ष पद को ग्रहण करके एक सच्चे और ईमानदार राजनीतिज्ञ का परिचय दिया है और आप से हम यह उम्मीद करते है कि आप इस विधान सभा की परम्पराओ का अनुकरण करेगे जिनकी आज हरियाणा को बहुत जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के नेता भी आज यहा पर बैठे है। इसलिये मै उन से भ यह बात कहना चाहात हू कि यह पर पिछले 25 सालो से एक परम्परा बनी रहे है कि 30 से ज्यादा ऐवरकल सिटिगज एक साल मे विधान सभा की कभी नही हुई चाहे इस काल मे कोई भी मुख्यमंत्री रहा हो लेकिन यह फैक्टस पर अधारित है। इसकी एक वजह भाायद यह भी हो सकती है कि किसी पार्टी को स्पश्ट बहुमत न मिला हो लेकिन आज हमारी हम प्रार्थना करेगे कि नवनिर्वाचित सदस्यो को इस हाउस मे अपनी बात कहने का पूरा पूरा अवसर आपकी ओर से मिलना चाहिये।हरियाणा की किस्मत इस औगस्ट हाउस से, इस गरिमामय हाउस से बनती है। इसलिए हम आप से कहेगे कि आप नवनिर्वाचित सदस्यो को ज्यादा से ज्यादा बोलने का समय दे ताकि वे लोग खुले कर अपनी बातो को यहा हाउस के सामने रख सके और लम्बा सै ान चलाने के लिए आप भी एक नई परम्परा कायम करे। ऐसा करने से विपक्ष को और दूसरे सदस्यो को सरकार के बारे मे बाते कहने का मौका मिलेगा और सरकार को भी अपनी नीतियो को प्रस्तुत करने का सही मौका मिलेगा। ऐसी कई ऐसी परम्पराए इस हाउस की है जिन्हे आपको पुर्नस्थार्पित करना पडेगा। इस गरमिायमयी सदन की गरिमा को बढाना, इस

का मान सम्मान कायम रखने का यह सार निर्वारोधा अध्यक्ष चुने जाने के लिए आपको बधाई देता हूं और यह उम्मीद करता हू कि हरियाणा का यह महान सदन आपकी अध्यक्षता मे ऊंचा उठेगा और इसकी कार्य ौली और निखरेगी। धन्यवाद।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकर सर, सदन के नेता ने, विपक्ष के नेता ने, चौधरी बंसी लाल जी ने, बहन चन्द्रावती जी, सुरजेवाला साहब और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने आपके जीवन व आपके अनुभव के बारे मे बहुत केछ कहा है और जो कहा है वह भात प्रति त सही कहा है। 1982 से 87 तक आप इस महान सदन के सम्मानित सदस्य रहे है और मै भी सदन रहा हू। मुझे भी आपसे मिलने का मौका मिला है। वाकई आप जब बोलते थे तो बडी तैयारी के साथ, पूरे आकडो के साथ बोलते थे लेकिन मै समझता हू कि स्पीकर के रोल मे आप ज्यादा नही बोल पाएगे और हम बुलवाएगे। इससे पहले बतौर मैम्बर आपकी तरफ से जो हम ज्ञान की बाते हाउस मे सुनते थे वे बहुत ही उपयोगी होती थी। कमाल की बात तो यह थी कि जब आप बोला करते थे तो बीच मे हमारे टोकने के बावजूद भी आप बोलते ही रहते थे क्योकि आपकी बोलने वाले सबजैक्ट पर पूरी तैयारी होती थी। स्पीकर साहब, इस कुर्सी पर जो भी आता है उसके लिए मैम्बरो को टाईम देने के लिए समस्या आती है। एक मैम्बर अगर पूरी तैयार मे हो तेा वह बहुत कुछ बोल सकता है लेकिन स्पीकर भाायद उसको उतना टाइम न दे सके। स्पीकर साहब, आप हर

बात से गुजरे है। इस सदन मे बहुत से नए मैम्बर बन कर आए है मुझे उम्मीद है कि आप वि ोश तौर से उन नये सदस्यो का ध्यान रखेगे और ऐसी परम्परा कायम करेगे जिससे आपका नाम हिन्दुस्तान के बेहतरीन स्पीकरो मै जाना जाए और उसके लिए हम भी गौरव कर सके। आज इस सदन मे आपका यूनानीमस इलैक ान करके एक हैल्दी ट्रेडी ान सदस्यो ने कायम की है। ऐसा करके हमने आपके ऊपर कोई एहसान नही किया है बल्कि आप इसके लिए डिजर्व करते थे। हम सभी ने सदन के नेता के प्रस्ताव को मन्जूर किया। स्पीकर साहब, एक बहुत ही अच्छी ट्रेडी ान होगा अगर सदन के नेता समाजवादी जनता पार्टी के किसी सदस्यो को डिप्टी स्पीकर बनाना मान ले। अगर इस तरह की भ्ाुरआत हो सके तो हम सरकार को पूरी तरह से कोआप्रे ान देगे और हरियाणा प्रान्त उससे तरक्की करेगा। ऐसा होने से हम फिजूल की बातो मे टाईम जाया न करके प्रदे ा को और आगे ले जा सकेगे। मै समझता हू कि सरकार इस बारे मे आगे आएगी और सदन के नेता खुले दिल से हमारे प्रस्ताव को स्वीकार करेगे। इन भाब्दो के साथ मै आपको एक बार फिर बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, मै आपके इस महान सदन के अध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर अपनी तरफ से और भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बधाई देता हू। मै सदन के नेता को और खास तौर से काग्रेस के

सभी मैम्बर्ज को भी बधाई देता हू कि उन्होने इस पद के लिए इतने अच्छे आदकी की सिलेक ान की है। स्पीकर साहब, 1982 मे आप और हम इस सदन मे थे। उस समय मुझे आपके साथ बाहर टूर पर भी जाने का अवसर मिला था। आपकी बाते सुन कर हम बहुत प्रभावित होते थे। ि ाक्षा के प्रसार और प्रचार मे आपकी बाते सुन कर हम बहुत प्रभावित होते थे। ि ाक्षा के प्रसार और प्रचार मे आपकी सारी जिन्दगी गुजरी है। आपके जिले मे आपकी मान्यता प्रिसीपल के नाते है और सयोग से यहां पर भी आपको प्रिसीपल वाला ही काम मिला है। मै समझता हू कि आज एक अच्छी भाुरूआत हरियाणा के सदन हुई है कि आप जैस प्रतिभावान व्यक्ति को सर्वसम्मति से चुना गया है। स्पीकर साहब, समाजवादी जनता पार्टी ने, चौधरी बंसी लाल जी ने और जनता दल तथा अन्य सदस्यो ने यह अच्छी सदस्यो को बनाया जाए। स्पीकर साहब, और भी कई प्रान्तो मे ऐसी ट्रेडी ान कायम हुई है आज लोक सभा का पै ान भी चल रहा है वहा भी डिप्टी स्पीकर का स्थान भाायद विपक्ष के किसी आदमी को जाएगा। श्री अप्पा जो ाी आपोजी ान मे होते हुए महाराश्ट्र मे डिप्टी स्पीकर के पद पर रहे है वे भारतीय जनता पार्टी के थे। इसलिए मै गुजारि ा करूगा कि डिप्टी स्पीकर के पद का जो स्थान है वह समाजवादी जनता पार्टी के किसी सदस्य को दिया जाए या बंसी लाल जी की पार्टी के किसी सदस्य को डिप्टी स्पीकर, बना दे या जनता दल के किसी सदस्य को बना दे। ऐसा करने से एक अच्छी भाुरूआत हरियाणा मे होगी। पिछली बार भी एक अच्छी भाुरूआत हरियाणा मे हुई थी।

यदि डिप्टी स्पीकर किसी विरोधी पार्टी के सदस्य को बना दे तो एक अच्छी बात हरियाणा से बाहर जाएगी। अध्यक्षम महोदय, इस बार सदन मे काफी परिवर्तन आया है और पिछली विधान सभा के बहुत ही अच्छी बात कही कि हरियाणा विधान सभा की बहुत कम बैठके होती रही है। हमारे पडौसी प्रान्त हिमाचल प्रदे ा मे, जो कि एक छोटा सा प्रान्त है, चार चार और पाच पाच महीने तक विधान सभा को सै ान चलता है। अध्यक्ष महादेय, चूकि आप डैमोक्रिसी थ्रू डैलीबरे ांज मे यकीन रखते है इसलिए आपकी अध्यक्षता मे सभी माननीय सदस्यो को अपने अपने हल्को की समस्याए सदन के सामने रखने का अधिक मौका मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, जितनी अधिक देर तक सदन चलता है, उसमे डैलीबरे ांज होती है और विधायक को अपने अपने हल्को की समस्याए रखने का अधिक मौका मिलता है। हर माननीय सदस्य की अलग अलग सोच होती है उससे सदन को भी फायदा होता है। माननीय सदस्यो के तरह तरह से अनुभव हया सदन मे आते है जिससे हरियाणा प्रान्त की तकदीर सवरती है । मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय मे हमारे सदन की बैठके नि चत रूप मे बढेगी। अध्यक्ष महोदय, आपका जो आसन है हम सब लोग उससे नीचे है इसलिए यदि हम से कोई उक चुक हो जाए या 19–20 कोई बात हो जाए तो आप उस बात का बूरा न मानते हुए हमारे साथ ऐसी कोई बात नही करेगे और सही ढग से बडी सहानुभूति के साथ सन्तुलन बनाए रखेगे। मै एक बार फिर आपसे और सदन के नेता से गुजारि ा करूगा कि डिप्टी स्पीकर के पद पर किसी विपक्ष के

सदस्यो का चयन किया जाए। ऐसा करने से हरियाणा प्रान्त मे एक अच्छी परम्परा पडेगी और चयन किया जाए। ऐसा करने से हरियाणा प्रान्त मे एक अच्छी परम्परा पडेगी और उसका अच्छा परिणाम निकलेगा। सदन ठीक ढग से चलेगा। सदस्यो की भावनाए भी ठीक रहेगी। इन भाब्दो के साथ मै आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हुआ अपना स्थान लेता हू।

Shri Phool Chand Mullana(Mullans- S.C) Hon'ble Speaker, Sir this house is lucky enough to have the Speaker in the name of Chaudhri Ishwar Singh and I congratulater the leader of the House for putting forward your name and the opposition for helping in your unanimous election. My association with you is pretty long. We have been in this house peryaps for the third time. You have been heading various panels of this house. We were together in many Committees, pareticulary the Pubilc Accounts Committee and the Committee on Public Undertakings, We had the opportunity to have long travels in the train also. I had been discussing with you various problems, various issues and i had found that your are a vase experiensed person in the fileld of agriculture, education and religion alos. You have a burning desire for the rural upliftment. I am fully confident that this House will have full decorum and maintain its dignity under your kind stewardship. I hope you won't allow this House to become a fish market because you are an experienced man. You have been handling this House previously also as narated before. I hope every member of this House, evgery section of this House will get full opportunity to express his/her viewsd

so that the griveances of the people of their constrituenctes and the State are redressed and he is able to fulfil his words.

Sir, It has been written here that-

" One must either not enter an Assembly Hall or he must speak there with all the right ousness, for one who does not speak or one who speak falsely does himself in the equal sin involve."

I hope that everybody will have the right to have his say in this house but he should alos have this in mind. I am fully confident that the person like you in this Chair will have full command of this House and run the show very properly and smoothly. I again congratulaten you on your elction to this august office, offier my best wishes and pray to the Ammightly God to grace you with all powers to give you success. Thank You.

श्री लहरी सिंह (रादौर अनुसूचित जाति): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज वास्तव मे इस गरिमामय सदन मे आपके पीठासीन होने पर सदन ने एक बहुत ही अच्छी परम्परा कायक की है। लीडर आफ दी हाउस ने आपके नाम का प्रस्ताव करके एक बहुत ही अच्छा का किया है। आप एक बहुत ही अच्छे इन्सान है। आपने अब तक अपना सारा समय राश्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण मे लगाया हुआ है आपकी भावना हमे ाा यही रही है कि हमारे दे ा का हर नागरिक एक अच्छा नागरिक बने। इसकी जीती जगती मिसाल एक तो आप स्वय है। आपने बडें भाहर मे न जाकर अपने ऐक्सपीरिएस को रूरल एरिया मे जो गावं है और जहां पर

गरीब लोग बसते है वहा पर जगल मे मगल करके दिखाया है। जब आप हाउस मे मैम्बर बन करके आए थे तो उस समय चौधरी बसी लाल जी ने आपको ऐग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड का चैयरमैन लगाया था और उस समय आपने बहुत ही अच्छे तरह से काम किया था। आपको आम आदमी तक छवि पहुची है। आपके कार्य करने की भौली बहुत ही सराहनीय है। मै परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि जिस कुर्सी पर आप आसीन हुए है उसको गरिमाामय रूप से चलाएगे।

लीडर आफ दी अपोजी ान और हमारे नेता चौधरी बंसी लाल जी ने व दूसरे साथियो ने रिक्वैस्ट की है कि आप अपोजी ान के मैम्बरो का ज्यादा ख्याल रखेगे और अधिक से अधिक टाइम देने की कोि ा ा करेगे। अपोजी ान पार्टी के साथी उस समय तक अच्छा रोल अदा नही कर सकते जब तक उन्हे बोलने के लिए अधिक समय नही मिल जाता। अपोजी ान के लोग ज्यादा टाईम मिलने पर अपने अपने इलाके के बारे मे अपनी बात कह सकेगे। यदि वे अपनी बात ठीक प्रकार से कह पाएगे तो उससे स्टेट की जो डिवैल्पमैट है उस पर सरकार पूरा गौर कर सकेगी।

लीडर आफ दी अपोजी ान और हमारे नेता चौधरी बसी लाल जी ने व दूसरे साथियो ने रिक्वैस्ट की है कि जिस प्रकार सर्व सम्पति से स्पीकर का चुनाव हुआ है उसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर का चुनाव भी विरोधी पार्टी के सदस्यो मे से

सर्वसम्मति से होना चाहिए। मै लीडर आफ दी हाउस से निवदेन करूगा कि वे अपनी फ्राखदिली दिखा कर डिप्टी स्पीकर को अपोजी ान पार्टी से चुने जाने पर सहमत होगें अन्त मै मै आपको पुन अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए बधाई देता हू।

श्री हरी सिंह नलवा (सभालखा): अध्यक्ष महोदय, आपके सर्व सम्ति से इस पद पर चुने जाने पर मै आपको दिल से मुबारिकवाद देता हूं। आप इस हाउस मे सबसे सुप्रीम है और आपका फैसला फाईनल होता है उसको कही कोई चेलैज नही कर सकता। आज सारे हाउस ने आपको सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना है। यह इस बात का सबसे बडा सबूत है कि आपका चरित्र बहुत उच्च कोटि का है । आप एक बडे विद्वान है। आप सबको एक नजर से देख कर चलने वालो मे से है। उच्च कोटि का व्यक्तिव आप मे मौजूद है। 1972 मे मै आपके साथ इस हाउस का मैम्बर रहा हूं। बहुत से लोग जो 1972 मे हमारे साथ थे आज भी इस हाउस के मैम्बर है। अध्यक्ष महोदय, समय परिवर्तन ील है और बदलता रहता है। इसी प्रकार से इन्सान की कार्य ैली और सोच विचार और कम करने का तरीका बदलता रहता है। हरियाणा प्रान्त के इन्ट्रैस्ट की बात है कि जिस प्रकार से हरियाणा प्रान्त हर काम मे आगे रहा है और कई अच्छा कामो मे पहल दिखाई है उसी प्रकार मे आपकी रहनुमाई मे भी एक अच्छी मिसाल दूसरे प्रान्तो के लिए कायम होगी। हरियाणा की पुलिस ने इस बार सभी प्रदे ाो से अच्छाा का करके चुनाव ठीक ढग से करवाए है यह भी

अपने आप मे एक मिसाल है। चुनाव से पहले लोगो को डर था कि बूथ कैपचरिंग होगी और चुनाव ठीक प्रकार से नही होगे लेकिन ये सारी आ ाकाए निराधार साबित हुई इसलिए मुझे आप पर पूरा वि वास है कि आप भी एक नई मिसाल कायम करके दिखाएगे। मै बहुत नजदीक से आपको जातना हू । हमने पांच साल इकटठे काम किया है। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सारी असैम्बलियों के लिए नई मिसाल कायम करेगे। आपके बारे मे जीता जागता सबूत है कि जब आपका नाम इस पद के लिए पे ा हुआ तो हाउस मे 88 मैम्ब्र मौजूद थे और हर किसी के चेहरे पर बडी भारी खु ाी की लहर मैने देखी। इसके लिए जिस सूझ बूझ से हाउस के लीडर ने काम लिया है उसके लिए मै उन्हे मुबारिकवाद देता हूं अपोजी ान के नेता चौधरी वीरेन्द्र सिंह और चौधरी बंसी लाल को भी मै मुबारिकवाद देता हूं क्योकि बडी खु ाअल्फाजी के साथ उन्होने अपनी भावनाओ को ऐस्सप्रैस किया है। अध्यक्ष महोदय, आपके अध्यक्ष चुने जाने पर यह सारी बात सब लोगो के सामने है। आप बहुत बडे विद्धान है और हम आ ाा रखते है कि इस हाउस मे जो परम्पराए भाुरू से बनी हुई है आप उन्हे कायम रखेगे। मै अपनी ओर से सभी मैम्बरान को चाहे वे किसी पार्टी से ताल्लुक रखते है यह अर्ज करना चाहूगा कि वे इस महान हाउस की गरिमा को कायम रखे। इसके साथ ही मै अध्यक्ष महोदय से भी रिक्वैस्ट करूगा कि जो भी मैम्बर हरियाणा की जनता की दुख दर्द और तकलीफ की बात करे, चाहे वह किसी भी पार्टी से सम्बन्ध रखता हो, उसे बोलने का आप पूरा मौका दे,

और उसे बोलने से रोके नही। अध्यक्ष महोदय, इस समय हरियाणा मे कई समस्याए है ड्रिकिंग वाटर की समस्या है किसान के लिए बिजली की समस्या है सिचाई के पानी की समस्या है, सिविल सप्लाई की चीजो की डिस्ट्रीब्यू ान की समस्या है जिनके बारे में मैम्बर साहेबान बोलना चाहेगे। ऐसी समस्या जो आम जनता से जुडी हुई है उन्हे उठाने के लिए आप पूरा मौका देगे और जो सदस्य उन को उठाने की कोि ा ा करेगे उन्हे आप पूरा मौका देगे, हमे आ ाा है हमे आपकी जात पर पूरा भरोसा है। आप खुद भी देहात के रहने वाले है। इसलिए आप उनकी समस्याओ को बेहतर समझते है। इसलिए उन समस्याओ को उठाने के लिए आप पूरा समय दे। जो नये सदस्य बोलना चाहे उसको आप पूरा मौका देगे और बडी मछली यदि छोटी मछली को हडपने की कोि ा ा करे ऐसा आप नही होने देगे। इन भाब्दो के साथ मै आपका तहदिल से भाुक्रियाा करते हुए आपको वि वास दिलाता हू कि सभी सदस्य भी आपके साथ हर किस्म का सहयोगे करेगे। धन्यवाद।

श्री औमप्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन के अध्यक्ष पद पर आसीन होने पर मै अपनी ओर से आपको भाुभ कामनाए देता हू और औपचारिक तोर पर नही बल्कि हार्दिक तौर पर आपको बधाई देता हू। मेरा आपके साथ बहुत पुराना सम्बन्ध है। मित्रता के साथ ही साथ 1982–87 मे हम साथ साथ इस सदन मे सदस्य रहे है और आपसे बहुत बार विचार विर्म ा करने

का मुझे मौका मिला है। आप बहुत ही ज्ञानी, बुद्धिमान और सहज व्यक्ति है। मै समझता हू कि आप जैसे महान व्यक्ति के अध्यक्ष पद की कुर्सी पर बैठने से इस हाउस की गरिमा बढी हैं मुझे पूर्ण वि वास है कि आप न सिर्फ इस हाउस की गरिमा को बढाएगे ओर बडे सुचार ढग से जो परम्पराए हरियाणा मे अब तक स्थापित रही है उनको निभाते हुए और भी अच्छी परम्पराए डालने का प्रयास करेगे। इस मे कोई भाक नही कि सदन से कई पुराने सदस्य है लेकिन बहुत से मैम्बर नये चुन कर बात है लेकिन उनको अपनी बात कहने का मौका नही मिलता है। इस बारे मे मुझे से पूर्व भी कुछ सदस्यो को बोलने का ज्यादा समय मिलना चाहिए। सदन की बैठके भी ज्यादा होनी चाहिए। ताकि समस्याए उठाई जाएगी और सरकार का ध्यान उनकी और खीचा जा सकेगा। सरकार ही समस्याओ का समाधान कर सकती है। हमारा प्रयास यह रहेगा कि प्रदे ा ज्यादा विकास करे। सदन की परम्पराओ को बनाए रखा जाए। नये मैम्बर्ज को अधिक से अधिक समय बोलने का मिले और हाउस की सिटिंग्ज ज्यादा से ज्यादा हो। अध्यक्ष महादेय, अन्त मै मै फिर आपकी सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बधाई देता हूं । इस सदन की परम्पराओ को बनाए रखने के लिए आपको हमारे और से पूरा सहयोग मिलेगा। धन्यवाद।

श्री अमीर चन्द मक्कड हांसीः अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन की भाुरूआत लीडर आफ दि हाउस से आपका नाम परपोज करके बडे

अच्छे ढग से कर दी है और सर्वसम्मति से आपका चयन हुआ है। मै समझता हू कि लायक आदमी इन्सान की जिन्दगी और उसके भविश्य की धरोहर होते हैं। समाज मे दो तरह के लोगो होते है एक तो अपनी काबलियत अपनी ि ाक्षा और समाज सेवा कर के उन व्यक्तियो की लाईन मे अपना नाम जोडते है जिन्होने संसार मे समाज सेवा करके अपना नाम पैदा किया है। दूसरा इन्सान अपनी काबलियत से और अपनी लियाकत से पैसा जोडने की तरफ भागता है लेकिन आपने समाज की सेवा करके ि ाक्षा जगत मे कितनी ही ऐसी सस्थांए चलाकर सामज के ऐसे गरीब बच्चो के स्तर को ऊपर उठाकर आज तक जो काम किया है, उसी का यह बदला है कि आज सभी सदस्यो ने आपका नाम हर्श ध्वान से स्वीकार किया है और इसका स्वागत किया है। यह एक बहुत ही अच्छी भाुरूआत है। मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह जो आज भाुरूआत हुई है, ऐसी अच्छी भाुरूआत आगे भी कायम रहनी चाहिये ताकि हरियाणा की तरक्की के सभी अच्छे कामो मे सहायोग मिल सके। मुझे पूर्ण आ ाा है कि यह लोग आगे भी सहयोग देकर सदन मे अच्छी प्रथा कायम करेगे। ऐसा मुझे आ ाा है कि यह सभी आपको पूरा सहयोग देगे। मै आपसे भाी पुरजोर अपील करता हू कि आप जैसा अच्छा आदमी बर्गर किसी ताकत के इस्तेमाल से इस सदन को अपनी लियाकत से चलाने मे कामयाब होकर दिखायेगा क्योकि सारार सदन आपकी लियाकत को भली भाती जागता है मुझे इस बात की बडी खु ाी है कि अब

आप इन हाउस को चलायेगे। हम आपको वि वास दिलाते है कि हम आपकी पूर्ण समर्थन और सहयोग देगे। धन्यवाद।

स्वास्थय मंत्री (श्री करतार देवी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपको मै अपने सदन के और विपक्ष के नेता और सभी माननीय सदस्यो के साथ मुबाकिरवाद देते हुए गौरवान्यित अनुभव करती हूं कि आज जैसा धोर, गम्भीर और अनुभवो व्यक्तित्व हमारी अध्यक्ष की चेयर पर विराजमान है। आपके बारे मे, जैसे कि मेरे से पूर्व वक्ताओ ने कहा है, कार्ई सदेह नही है कि कृशि के क्षेत्र मे रिसर्च करने बारे और ि ाक्षा के क्षेत्र मे हो नही, जंहा जहा जरूरत महसूस की वहा पर आपने जन भाक्ति को अपने साथ मिलाकर प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया है वि ोशकर वहा पर जहा पर हरियाणा को सब से ज्यादा जरूरत है। आपको पता ही है कि हरियाणा मे महिलाओ के लिए ि ाक्षा के क्षेत्र मे काफी कमी है। कौल का महिला कालेज अपने आप मे इस बात का प्रतीक है कि इस क्षेत्र मे इन्होने प्रदे ाो की और सारे दे ा की कितनी सेवा की है। यही नही प्रदे ा के देहातो के लोगो का जीवन स्तर ऊपर उठाने के साथ अपने आपको जोडकर जिस तरह से इन्होने लोगो का जीवन स्तर ऊपर उठाने के साथ अपने आपको जोडरक जिस तरह से इन्होने लोगो की सवेा की है। वह एक प्रत्यक्ष प्रमाण है कि ये इस प्रदे ा के उज्जवल भविश्य की कितनी कामना करते है यह हरियाणा वासियों के लिए एक गौरव की बात है कि आप का इस उच्च पद के लिए चुनाव हुआ है। हमे पूरा वि वास है कि

आपके मार्ग द र्ान मे यह सदन अच्छी परम्परओ का अनुसरण करेगा। आपके मार्ग द र्ान से अच्छे परम्पराए उची से उची बढेगी। महिला समाज और गरीबो की तरफ से मै यह आ ाा रखती हू कि जैसे आपने अपने जीवन मे एक बात रखी हुई है कि जहा तक हो सके, उनका भी भला किया जाये, उसको कायम रखेगे। जिन लोगो और जिन बातो की तरफ किसी की दृश्टि नही जाती उनकी तरफ आपने ध्यान दिया है। कौल मे रिसर्च सैटर जो आपने ध्यान बनाया है यह उस बात का मुह बोलता उदाहरण है। मुझे आ ाा है कि आप ठीक इसी तरीके से और भी ऐसे काम करेगे जो आपके मार्ग द र्ान मे आगे जायेगे। वि ोशकर महिलाए आपको अपने हदय से आभारी रहेगी, मै एक बात फिर इस पद पर सर्वसम्मति से आसीन होने के लिए आपको हार्दिक बधाई देती हॅू और यह आ ाा करती हू कि जो पुरानी परम्पराए बनी हुई है, उनको आप कायम रखेगे। मै परम पिता परमात्माए से यह प्रार्थना करती हूं कि आपके अन्दर जो ज्ञान है जो आद र्ा है, वे इस सदन के लिए एक रो ानी बनकर मार्गद र्ान के रूप मे कार्य करने मे सहायता करे। अन्त मे मै एक बार फिर आपको अपने हदय से बधाई देती हू।

वित मंत्री (श्री मांगे राम): अध्यक्ष महोदय, आज लोगो की निगाहे इस बात की और लगी हुई थी। कि आज पहले दिन जबकि इस हरियाणा विधान सभा का सै ान चालू होगा, इस गरिमापूर्ण पद के लिए काग्रेस पार्टी या लीडर आफ दि हाउस

किस विधायक का नाम लायेगे। इस बारे मे कि इस पद के लिए किस आदमी का नाम आयेगा, लोग इस पर बडा विचार कर रहे थे। चूकि आपका नाम लीडर आफ हाउस ने पे ा किया इसलिए हमारी पार्टी के नेता तथा हमारी पार्टी के दूसरे सदस्य आपको बधाई देते ओर आपकी तारीफ करते ही लेकिन आज हम देख रहे है कि नब्बे के हाउस मे हमारी पार्टी के अलावा चार पार्टीज विरोधी पक्ष की बैठी है और चारो विरोधी पक्ष के पार्टी के नेताओ ने आपको सर्वसम्मति से चुनने मे केवल हिस्सा ही नही लिया बल्कि आपकी भूरी भूरी प्र ांसा भी की है। स्पीकर साहब, मै इस बात के लिए मुख्यमंत्री जी को बधई देता हूं कि आपने विरोधी पक्ष के नेताओ को तथा विधायको की सहानूभूति लेते हुए ऐसे व्यक्ति को इस पद पर विराजमान किया है जोकि इस सदन की गरिमा को बनाए रखने मे पूरी तरह से सक्षम है। इस पद पर ऐसे योग्य व्यक्ति को विराजमान किया गया है जो ि ाक्षाबिद है समाज सेवा जिस के अन्दर कुट कफट कर भरी हुई हैं और पार्लियामैन्टरी अफेयर्ज मे जिसका बहुत बडा अनुभव है। आपके अनुभव से नए सदस्यो को बहुत बडा लाभ होगा। स्पीकर साहब, दूसरी बात मै यह निवेदन करना चाहता हू कि विरोधी पक्ष की तरफ से नई ट्रेडी ान डालने की बात आई। उन्होने कहा कि विरोधी पक्ष का कोई सदस्य डिप्टी स्पीकर हो। स्पीकर साहब, हम भी चाहते थे कि अगर विरोधी पक्ष के उन्तालीस सदस्य एक ही पार्टी के होते तो उनका कोई सदस्य इस पद पर आसीन हो तथा हम मुख्यमंत्री जी से, लीडर आफ दी हाउस से दरखास्त करते कि

डिप्टी स्पीकर के पद के लिए उनके प्रस्ताव पर विचार कर लिया जाए लेकिन विरोधी पख तेा अलग अलग टुकडो मे बटा हुआ है। मै मुख्यमख्यमंत्री से अपील करना चाहता हू कि जिस बुद्धिमता से उन्होने हमारी पार्टी के एक ऐसे विधायक का नाम स्पीकर पद के लिए पे ा किया जिस का कि विरोधी पक्ष के मैम्बर्ज ने एकमत से समर्थन किया उसी प्रकार डिप्टी स्पीकर के पद के लिए भी ऐसे विधायक का नाम पे ा करे जिसका कि विरोधी पक्ष के लीडर तथा विधायक सर्वसम्मति से समर्थन दे। स्पीकर साहब, यह एक बहुत अच्छी परम्परा हरियाणा प्रदे ा मे डाली गई है स्पीकर साहब, हमारे प्रदे ा की जनता को आज हमारे नए विधायको से बहुत उम्मीद है। जनता का विचार है कि हरियाणा विधान सभा मे ऊचे स्टैण्र्ड के लोग इस बार आए है जिनको हरियाणा प्रदे ा को अच्छी तरस से चलाने मे और हरियाणा की जनता की समस्याए हल करने मे पूरा अनुभव हैं वे हरियाणा की जनता की कठिनाइयों को दूर करेगे और हरियाणा के लोगो की सेवा करेगे। मुझे पूर्ण आ ाा और वि वास है कि इस सदन के सभी सदस्य इस सरकार को सहयेाग देगे जिससे कि यह सरकार हरियाणा की जनता की ज्यादा अच्छी तरह से सेवा कर सकेगी। इन लफजो के साथ मै एक बात फि आपको मुबारिकवाद देता हू और बधाई देता हू। स्पीकर साहब, मै यह आ ाा करता हू कि हाउस के अन्दर किसी प्रकार की कोई आव यकता नही होगी जिससे कि हाउस की गरिमा को ठेस पहुचे।

श्री सतबीर सिंह कादियान (नौलथा): स्पीकर साहब, आज स्पीकर के तौर पर आपका चुना जाना एक बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मै आपको बधाई देता हूं। आप एक बुद्धिजीवी समाजसेवी और एक सुलझे हुए व्यक्ति है। यही कारण है कि सारा सदन आपके नाम पर एकदम सहमत हो गया। स्पीकर साहब, आपके बारे मे यह बात म ाहूर है कि आप सभी को न्याय देते है और सभी का ध्यान रखते है मैने आपका नाम सुना था और पहली बार आपकी गम्भीरता और आपके बेहतरीन हावभाव को देखने का मौका मिला है। इससे पता लगता है कि विपक्ष को अपनी बात कने का पूरा मौका मिलेगा। स्पीकर साहब, विधायको के दिमाग मे अपने हंल्के के बारे मे और प्रदे ा के बारे मे कुछ ऐसी समस्याए होती है जिनका हल किया जाना बहुत जरूरी होता हैं अगर विधायको को अपनी बात कहने का पूरा समय मिले तभी वे अपनी बात कह सकते है। मुझे पूर्ण आ ाा और वि वास है कि आपके द्वारा विधायको को पूरा समय मिलेगा। मै अपनी तरफ से आपको भाुभ कामनाएं देता हू और भगवान से आपकी दीर्घायू के लिए कामना करता हूं और आ ाा करता हूं कि आप सभी सदस्यो को पूरा समय देगे।

श्री लक्षमन दास अरोडा (सिरसा): स्पकीर साहब, मै आपके यूनानिमन चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हू और मै उम्मीद करता हूं कि हमारे सभी विधायाको साथी इस हाउस की गरिमा को बनाए रखने मे पूरा उतरेगे। स्पीकर साहब, मै एक बात

कहना चाहूगा कि आज भी कुछ ऐसा नजर आ रहा है कि जो लोग हाउस पर छाए हुए थे उन्ही को टाईम मिल रहा है । मै आपसे प्रार्थना करूगा कि जो नए लोग चुनकर आए है उनको भी टाईम दिया जाए और इसी उम्मीद के साथ मै अपना स्थान लेता हू।

श्री लीला कृश्ण(फतेहबाद): अध्यक्ष महोदय, मै आपको अध्यक्ष पद के लिये चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ साथ मै लीडर आफ दी हाउस को भी इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं क्योकि उन्होने एक ऐस ज्ञानी की परख की है जिसके बगैर दूसरा और कोई विकल्प ही नही था। अध्यक्ष महोदय, आपने जितनी योग्यता और सहन ीलता है उनकी कही कोई मिसाल ही नही मिलती। जिस प्रकार एक फलदार वृक्ष सदा ही झुका रहता है उसी तरह आपने भी हलीमी, ये सभी गुण विधामान है जो कि गौर करने की चीज है । मै तो समझता हू कि इतने गुणवान होने पर आप कभी भी किसी से बेइन्साफी कर ही नही सकते। अध्यक्ष महोदय, यहा पर बहुत से आदरणीय मैम्बर साहेबान ने बडे ही लुभावने भाब्दो मे यह कहा कि सदन मे नये चुने जाने वाले सदस्यो को बोलने के लिये ज्यादा समय दिया जाना चाहिये। लेकिन मेरे विचार मे पार्टी की स्ट्रैन्थ के हिसाब से ही सदस्यो को बोलने का समय दिया जाना चाहिये। मै एक बार फिर आपको इस अध्यक्ष पर के लिये चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हू और आपसे यह उम्मीद करूगा कि आप अपनी योग्यता

और उदारता के साथ बडी सूझबूझ के साथ इस सदन की कार्यवाही की चलाएगे। धन्यवाद।

श्री अजमत खां (हथीन): स्पीकर साहब, आपके स्पीकर पद के लिये चुने जाने पर मै आपको दिल से मुबारिकवाद देता हूं। आपकी काबलियत की जितनी तारीफ की जाए उतनी ही थोडी है। मै अपने आपोजी ान के भाईयो को भी इस बात के लिये बधाई देता हूं कि उन्होने भी आपको युनैनीमसली चुने जाने पर खु ाी का इजहार किया है। यहा पर बोलते हुए मेरे कुछ साथियो ने कहा कि नये चुने जाने वाले मैम्बर्ज को अपनी बाते कहने के लिये ज्यादा से ज्यादा समय दिया जाना चाहिये लेकिन मै इतना ही कहना चाहूगा कि अभी हमारी सरकार को बने सिर्फ 10–15 दिन हो हुए है इसलिए अभी सब से पहले हमारी पार्टी के मैम्बर साहेबान को बोलने का टाईम दिया जाना चाहिए ताकि हम पिछली सरकार के काले कारमानो को आवाम के सामने ला सके। इन भाब्दो के साथ मै एक बार फिर आपको यूनैनीमसील स्पीकर चुने जाने पर मुबारिकबाद पे ा करता हू।

श्री कृश्णमुर्ति हुडडा (किलाई): अध्यक्ष महोदय, मै आपको हरियाणा विधान सभा का अध्यक्ष विर्वाचित होने पर बधाई देता हू। सताधारी व विपक्षी भाईयो ने अपने मुक्तकठ के जिस प्रकार से आपकी प्र ासा व सराहना की है उससे यह पता चलता है कि आप कितने कमैठ और योग्य व्यक्ति है। यहा पर बोलते हुए मेरे बहुत से भाईयो ने यह कहा कि इस सदन मे नवर्विाचित

सदस्यो को अपने विचार रखने के लिये ज्यादा से ज्यादा समय दिया जाना चाहिये, मै उन सब भाईयो को इसके लिये धन्यवाद देता हूं और आपसे ऐसी उम्मीद करता हूं कि जो सदस्य इस हाऊस मे पहली बार चुन कर आये है उनको अपनी बाते कहने का पूरा पूरा अवसर प्रदान करेगे व उन्हे मार्ग द र्ान कराते हुए यहां सदन की कार्यपद्धति से समय समय पर अवगत कराते रहेगे। धन्यवाद।

श्रीमती सन्तोश भाारबान (डबवाली अनूसचित जाति): आदरीणय अध्यक्ष महोदय, मै आपके अध्यक्ष पद के लिये सर्वसम्मति से चुने पर आपको हार्दिक बधाई देती हू और साथ ही अपने विरोधी पक्ष के भाईयो का भी धन्यवाद करती हू जिन्होने आज आपके निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर अपनी फराखदिली का परिचय दिया है व हमारे नेता दवारा चुने गये निश्ठावान, कर्म ाील, कु ाल व ज्ञानी व्यक्ति को स्पीकर बनाये जाने का अभिवादन किया है। इसके लिये वे सभी बधाई के पात्र हैं। इन भाब्दो के साथ मै आपको एक बार फिर अपनी व अपनी पार्टी की और से निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई देती हुई और आपका धन्यवाद करती हुई कि आपने मुझे बोलने का समय दिया, अपना स्थान ग्रहण करती हूं। धन्यवाद।

श्री मनीराम (ऐलनाबाद, अनूसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपका इस पद के लिये निर्विरोध चुना जाना इस हाउस के लिये बडे ही सौभाग्य की बात है। अध्यक्ष महोदय, आपको सारे

हरियाणा मे योग्यता के आधार पर एक आचार्य है कि जो नव निर्वाचित सदस्य इस हाउस मे चुनकार आये है, आप उनका मार्ग द र्न बनकर, एक टीचर की भाति उन्हे यहा की कार्य पद्धति के बोर मे अवगत कराते रहेगे और समय पर उन्हे गाइड करते रहेगे। एक बात मै यहा हाउस मे कहे बगैर नही रह सकता कि हमारे हाउस के नेता ने अध्यक्ष पद के लिये हीरो मे से एक कोहेनूर हीरा लाकर हमारे सामने रखा है और आपकी भाान के खिलाफ हमारे किसी अपोजी ान के भाई ने भी एक लफज नही कहा है। इसलिए हमारे हाउस के नतेा व अपोजी ान के भाई सभी इस के लिए धन्यवाद के पात्र है। स्पीकर साहब, मुझे उम्मीद है कि डिप्टी स्पीकर के पद के चयन की जो चायस, होगी उसके लिए भी विपक्ष के सदस्य वैसी ही भूमिका निभाएगे जैसी उन्होने आपके चुनाव मे निभाई। ऐसा करने से सारा प्रोग्राम ठीक रहेगा। क्योकि विपक्ष तो अब कई टुकडो मे बट चुका है हमारे 51 सदस्य है इसलिए डिप्टी स्पीकर का चुनाव हमारे सदस्यो मे से ही किया जाए। धन्यवाद।

श्रीमती भाान्ति देवी राठी (कैलाना): अध्यक्ष महोदय, आपके सर्वसम्मत चुनाव पर मै आपको बधाई देती हूं। इसके लिए हमारे सदन के नेता भी बधाई के पात्र है जिन्होने इतने योग्य व्यक्ति चुना हैं अध्यक्ष महोदय, आपके विपश मे इस सदन मे काफी देर से चर्चा चल रही है। हमे उम्मीद है कि आप इस सदन के सदस्यो की अपेक्षाओ का ध्यान रखेगे और सदन की गरिमा को बरकरार रखेगे। धन्यवाद।

श्री मोहन लाल पिपल (पटौदी, अनुसूचित जाति): आदरीणय अध्यक्ष महोदय, आज सर्वसम्मति से जो आपका चुनाव हुआ है, उसके लिए मै आपको अपनी तरफ से बधाई देता हू। जैसा कि मेरे से पूर्व वक्ताओ ने आपने बारे मे कहा, मेरा भी आपके साथ 1982 से 1987 तक साथ रहा है। आप वाकई इस कुर्सी के काबिल है। सदन के नेता ने जो आप के नाम का प्रस्ताव किया, उसको विपक्ष ने भी सर्वसम्मति से माना। जैसे कि और सदस्यो ने भी कहा, मै भी आप से उममीद रखता हू कि आगे से सदन की बैठके ज्यादा से ज्यादा की जाए, ताकि हरियाणा का और विकास हो सके तथा जो सरकार की बुराईयो या अच्छाइया हो, उनके बारे मे सदस्यगण अच्छी तरह से कह सके। इन भाब्दो के साथ मै आपको एक बार फिर बधाई देता हूं। धन्यवाद।

श्री बधन सिंह (सफीदो): परम आदरीणय अध्यक्ष महोदय, आपका जो चयन हमारे नतेा से किया है वह बहुत ही सूझ बूझ का है। मै आर्य समाज से नाता रखने के कारण जनता हू कि आप खुले के आदमी है। आपको वेद और भाास्त्रो की भी जानकारी है। स्पीकर साहब, मुझे आप से पूरी उम्मीद है कि आप नव निर्वाचित सदस्यो को बोलने के लिए पूरा समय देगे। मै आपकी सभी नए चुने गए सदस्यो को तरफ से बधाई देता हू। मेरा आपसे यह भी प्रार्थना है कि आप ज्यादा से ज्यादा समय हमारी पार्टी को दे क्योकि हमारी पार्टी को दे क्योकि हमारी पार्टी के सब से ज्यादा सदस्य है और हम सुचारू कार्य करके हरियाणा

की स्थिति को सुधारना चाहते है। मै आपसे एक बार फिर उम्मीद करता हू कि जो नव निर्वाचित सदस्य चुन कर आए है यदि उनसे कोई ऐसी बात कही जाए तो आप उसका बूरा नही मनाएगे और उनको अपने विचार व्यक्व करने के लिए पूरा अवसर देगे। इन भाब्दो के साथ मै आप को अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से चुने जाने पर दुबारा बधाई देते हुए तथा आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री धीरपाल सिह बादलीः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने अध्यक्ष पद पर चयन के लिए आपके नाम का जो प्रस्ताव रखा और सारे सदन के सम्मानित सदस्यो ने एकमत हो कर सर्व सम्मति ने आपको इस पद के लिए चुन कर सम्मानित किया है, उसके लिए आप बधाई के पात्र है। मेरी भी आपके साथ इस सदन का सदस्य होने के नाते 1982 से लेकर 1987 तक सम्बन्ध रहा है। उस समय हमारे साथ जितने भी विधायक थे और हम उस समय जितनी कमेटियो के मैम्बर थे, उन सब कमेटियो की मीटिग्ज मे आपके जीवन के बारे मे, आपके काम करने के ढग के बारे मे और आपकी योग्यता के बारे मे बहुत प्र ासा करते थे। मेरे से पहले बोलने वाले साथियो ने कहा कि पहले भी इस पद के लिए आपके नाम की चर्चाए थी इस पद के लिए जब आपके नाम की चर्चाए थी इस पद के लिए जब आपके नाम की चर्चा चलती थी तो हम विरोधी पार्टी के लोग भी यह कहते थे कि केवल चौधरी ई वर सिंह ही एक ऐसा योग्य व्यक्ति है, जिसको

हम सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर बैठाए और आज सभी सम्मानित सदस्यो ने आपको वह सम्मान दिया भी है। मै अपनी तरफ से आपका अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चयन करने पर अभिन्नद करता हू और आपका स्वागत करता हूं। स्पीकर साहब, आपका इस पद पर सर्व सम्मति से चुनाव करने पर मुझे बहुत खु ी हुई है क्योकि आपका और मेरा गांव के नाते का संबध है। मेरा आपका बादली गांव के परिवार का रि ता है। आपको सर्व सम्मति से इस पद पर बैठा कर जो सम्मान दिया गया है, उसके लिए मै आपका स्वागत करता हूं धन्यवाद।

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेडी): स्पीकर साहब, आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने अध्यक्ष पद के चयन के लिए आपके नाम का जो प्रस्ताव रखा और सदन के सभी सम्मानित सदस्यो ने सर्व सम्मति से उसको पारित किया, उसके लिए आप बधाई के पात्र है। मेरा नीलोखेडी हल्का और आपका पुडरी हल्का एक साथ लगते है इसलिए मेरा बचपन से ही आपके साथ संबध है। आपके बारे मे सभी लोग अच्छी तरह से जानते है कि आप बहुत ही समझदार और योग्य व्यक्ति है। मेरे से पूर्व बोलने वाले सभी माननीय सदस्यो ने आपके जीवन मे बारे मे प्रका ा डाला है। इस पद के चयन के लिए सदन के नेता ने आपके नाम को जो प्रस्ताव रखा और सदन के सभी सम्मानित सदस्यो ने उसको एकमत हो कर पारित किया, उसके लिए मै सदन के नेता और माननीय सदस्यो को बधाई देता हू और सदन के नेता का स्वागत करता

हू। अध्यक्ष महोदय, 1982 से ले कर आज तक इस सदन का जो यह अध्यक्ष का पद है इस पर पुराने करनाल जिले के ही सदस्य चुने जाते रहे है। पहले 1982 मे सरदार तारा सिंह जी कों इस पद के लिए चुना गया, उसके बाद 1987 मे सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठा को चुना गया और आज तीसरी बार आपको चुना गया है। सदन के नेता ने आपको इस पर पर चुन करके हमारे जिला करनाल को जो मान और सम्मान दिया है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हू। इसके अलावा स्पीकर साहब, मै सदन के सभी सम्मानित सदस्यो का भी धन्यवाद करता हू जिन्होने सर्वसम्मति से आपको इस पद पर विराजमान किया है। इन भाब्दो के साथ मे एक बार फिर आपको बधाई देता हुआ अपना स्थान लेता हूं। धन्यवारद।

श्री आन्नद सिंह डांगी (मेहम): अध्यक्ष महोदय, जिस ढग से सदन के नेता ने एक महान हस्ती का नाम सदन के अध्यक्ष के लिए परपोज किया है और जिस को पूरी सदन ने सर्व सम्मति से स्वीकार भी किया है, मै समझता हू कि यह सभी वर्गो के लिए एक बहुत बडी बात है। एक तरह से सभी वर्गो को सम्मान दिया गया है क्योकि सदन मे सभी वर्गो के व्यक्ति उपस्थित है। सभी वर्गो के सदस्य यहा पर चुन करके आए है। हमारे साथियों ने, जो सभी वर्गो से चुन करके आए है, आपका चुनाव सर्वसम्मति से करके मै समझता हू कि सभी वर्गा को सही सम्मान दिया है। इस बात की हमे खु ाी है कि हमारे अध्यक्ष जी का जीवन कृशि प्रधान

प्रदे ा है। इस प्रदे ा की 80–85 प्रति ात जनता कृशि पर निर्भर करती है। इसी बात को ध्यान मे रखतें हुए मै आने वालें समय के लिए आपसे अनुरोध करता हू कि कृशि के उत्थान के बारे मे जब भी सदन मे कोई बात आएगी तो उसको सिरे चढाने के लिए आप हम तरह की कोि ा ा करेगें। हमनें इस कुर्सी पर एक ऐसे व्यक्ति को बैठाया है जिसका सारा जीवन किसानो की सहायता के लिए लगा है। इसलिए मै अन्त मे पुन आपको बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया (बाबल अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपके सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हू। आप की योग्यता के बारे मे सभी मैबर जानते है। आप योग्यता के भरपूर है। आपके स्वभाव मे भाालीनता और सादगी है। आपने एक सीधे सादे कार्यकर्ता के रूप मे रह कर अपना जीवन गांव मे ही गुजारा है। आपने सीधे सादे व्यक्तियो की तरह रह कर एक तरह से महात्मा गाधी जी को सपनो को सकारा किया है। आपने भाहर से गांव मे जा कर ि ाक्षा दी है। गांव के जो ग्रामीण बच्चे है उनके लिए आपने अनेक उत्थान के काम किये है। यह कोई सोच भी नही सकता कि एक व्यक्ति जो चार बार चुनाव जीत कर आए वह भाहर मे रहने की बजाये गावं मे ही रह कर काम करता रहे। मैने आपको आपके घर मे भी देखा है आप बडी सीधे सादे ढग से रहते है आप जो भी काम करते है वह बडी लगन और चेश्ठा के साथ करते है।

मुझे इस बात का गर्व है कि इस कुर्सी को आप जैसा व्यक्तित्व सु ाोभित कर रहा है। इस कुर्सी को आप जैसा ही व्यक्ति सु ाोभित करता हुआ अच्छा लगता है। इस काम के लिए मै अपने सदन के नेता को भी बधाई देती हूं कि उन्होने इस पद के लिए एक अच्छे व्यक्ति का चयन करके एक अच्छी भाुरूआत की है। आपकी चयन पर मै पुन आपको बधाई देती हूं और प्राथर्ना करती हू कि जो भी हमारे सदस्यगण है वे आपको पूरा सहयोग देगे। हमे भी आप से पूरी उम्मीद है कि जब भी हम समय समय पर आप से बोलने के लिए समय मांगेगे तो हमारी अपेक्षा के अनुसार आप समय देगे।

17.00 बजे

श्री जय पाल सिंह (राई): सम्मान के योग्य अध्यक्ष जी, सदन के नेता तथा विपक्ष के नेता, हमारे लिए यह पहला अवसर है कि इस असैबली मे अध्यक्ष का चुनाव देखने का मौका मिला है। यह चुनाव सर्वसम्मति से हुआ है। गांव मे जो पचायते होती है या चोबीसी मे भी ऐसे ही अध्यक्ष चुना जाता है जिसके जिम्मे उस पचायत को सचालन की पूरी जिम्मेदारी होती है। किसी मामले पर जब तक कोई फैसला नही हो जाता, पचायत के सचालन की पूरी जिम्मेदारी उसी की होती है इतना तो हमे ज्ञान है कि अध्यक्ष की बडी भारी जिम्मेदारी होती है। सदन मे तो कानूनी मसले भी आएगे, दे ा की समस्याए भी आएगी इसलिए अध्यक्ष की बडी भारी जिम्मेदारी है। पुराने विधायको ने और इस सदन के नेता ने तथा

विपक्ष के नेताओ ने आपकी बहुत तारीफ की है और मै भी अपने आपको उनके साथ जोडता हू। भगवान आपको ताकत दे आपको ऐसी भाक्ति दे, बल बुद्धि दे कि आप सदन का सचालन अच्छी तरह से करे। हरेक विधायक के लिए जो उसके हल्के की समस्याए है या जो अन्य जरूरी बाते हो, उन्हे कहने के लिए आप उनको समय दे। सदस्य चाहे नया आया है या पुराना हो उसे अपनी बात कहने का आप पूरा मौका देगे ऐसी मै उम्मीद करता हू एक बहुत लम्बे पीरियड तक मै गांव का सरपंच रहा हूं। यह बात कहते हुये मै हिचकूंगा नही कि जो भी आदमी बोले वे सारे के सारे 2–3 दफा इस हाउस के मैबर चुने जा चुके है। वे सभी आप को जानत5 है और आप भी उन्हे अच्छी तरह से जानते है लेकिन 40 के करीब ऐसे आदमी है जो बिल्कुल नये चुने कर आए है। मै रिक्वैस्ट करूगा कि जो भी नये सदस्य बोलना चाहे, सबको टाईम मिलना तो मु कल होगा, लेकिन उन्हे टाईम दिया जाना चाहिए। मै ऐसी उम्मीद रखता हू कि चौधरी भजन लाल जी, चौधरी बसी लाल जी और हमारी पार्टी के नेता श्री सम्पत हि जी नये मैम्बरो को अपने हलके की समस्याओ और तकलीफो को कहने का मौका देगे। हम अपनी बात को कहना जानते है असैबली के हर अधिवे ान मे नये सदस्यो को अपनी बात कहने का पूरा मौका मिलेगा ऐसी हमारी कुछ आ ाए है और उनसे पूरी उम्मीद भी करते है कि वे समय जरूरा देगे। बहुत ही सुलझे हुए आदमी यहा पर बैठे हुये है जिन्होने इसी सदन मे बैठकर इस हरियाणा की सत्ता को सम्भाला है। चौधरी भजन लाल, चौधरी बसी लाल जी,

चौधरी वीरेन्द्र सिंह और प्रोफैसर सम्पत सिंह जैसे नेता यहा पर बैठे हुए है जो कि हरियाणा के अस्तित्व मे आने से लेकन ही राजनीति मे छाए हुए है। जब से हरियाणा एक अगल राज्य बना है, तभी से इन नेताओ का प्रभाव यहा पर रहा है और इनकी ही सत्ता हरियाणा मे रही है। अपनी सत्ता हरियाणा मे रही है। अपनी सत्ता के दौरान इन नेताओ का जो प्रभाव लोगो पर बना है वह इन 90 आदमियों के कहने से यहा इन के बोलने से नही निकल सकता। जिस नेता के प्रति लोगो मे जैसा भावना है उनकी जो छवी करोडो लोगो के दिमागो मे है यहा पर 90 आदमी उनके मनों से उसे निकाल नहीसकते चाहे वे चौधरी भजन लाल की जितनी भी बुराई करते रहे लेकिन अगर मेरे हल्के के काम नही हुए तो जिन एक लाख के करीब लोगो ने मुझे वोट दिए है मुझे यहा पर चुने कर भेजा है वे मेरी और चौधरी भजन लाल की दोस्ती को नही मानेगे। इसलिए मै उम्मीद करता हू कि इस सदन के नेता चौधरी भजन लाल और 2–3 हस्तियो जो यहा पर अपोजी ान मे बैठी है वे सब इस प्रदे ा की समस्याओ को, जो कि और भी जटिल होने वाली है और तबाही की आधिया चला सकती है मिल कर हल करें। आप सभी लोग सुलझे हुए आदमी है और सभी कायदे कानून भी जानते है इसलिए हरियाणा को बचाने के लिए इस असैम्बली मे बैठकर हर हल्के का, हर जाति का, हर तबके का भला करने का प्रयास करे। ऐसा न हो जैसे कि मै सुन रहा था कि इधर से चौधरी साहब कुछ कहते है तो उधर दूसरे कुछ कीचड उछालते है। ये चारो पाचों नेता बहुत मजबूत भाख्स

है। ये सब एक हो कर इस प्रदे ा की समस्याओ को हल करने मे अपने साधनो से एकजूट होकर प्रयास करे और हम जैसे लोगो को साथ ले कर हर हल्के की समस्यओ को हल करे। मै भगवान से दुआ करूगा कि परमात्मा हमारे अध्यक्ष जो को मैटल पावर, फिजिकल पावर और मोरल पावर, ये तीन भाक्तियो दे ताकि 5 साल के दौरान इस सदन मे हर आदमी को अपनी बात कहने का मौका मिले और हर आदमी की समस्या को ये नोट करे और सरकार से उसको हल करवाएं। धन्यवाद।

श्री जगदी ा नेहरा (रोडी): आदरीणय अध्यक्ष महोदय, जो हमारे बहुत से सदस्यो ने आपको बधाई दी है उसमे मै भी अपने आपको भाामिल करता हू वह इसलिए भी कि आप बहुत ही बुद्धिमान और प्रकाण्ड विद्धान है। आपको ि ाक्षा के साथ साथ जो कृशि का ज्ञान हासिल है और उसमे आप हरियाणा को आगे ले गए यह भी एक उदाहरण के रूप मे है। इसके अलावा आपको धार्मिक ज्ञान भी बहुत अधिक है। 1982 से लेकर 1987 तक जब आप एम0एल0ए0 थे तो आपसे बहुत बार विचार विम र्ा हुआ और उस समय आपने गीता के बारे मे जो पूर्ण ज्ञान है और कर्मयोग के बारे मे और कर्म के बारे मे जो आपकी ि ाक्षाए और विचार रहे है। उसके अनुरूप ही आप यहां पर विराजमान है। यहा असैम्बली मे जो महाभारत होने वाला है उस महाभारत को आप अपने कर्म के रूप मे लेगे ऐसी मुझे आ ाा है। आज जो महाभारत हुआ, उसमे हमारे सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी ने आपका

चुनाव इसलिये किया कि आप बुद्धिमता के साथ इस असैम्बली को चलायेगे और हाउस को सही ढग से चलाने के साथ साथ जो नये मैम्बर्ज आये है उनको पूर्ण रूप से अपने विचार व्यक्त करने का मौका देगे। इसके साथ हो जाने वाला समय है, उसको भी आप ध्यान मे रखेगे। आज जितने भी विपक्ष के साथी बोले, उससे इस बात का अन्दाजा होता है कि आगे का जो टाईम है उसमे असैम्बली को वह बडे सुचारू रूप से चलाने मे सहायोग देगे। आज सदन के नेता ने आपका जब नाम प्रोपीज किया, उसका चौधरी सम्पत सिंह ने, चौधरी बसी लाल ने, श्री वीरेन्द्र सिह ने और श्रीराम बिलास भार्मा जी ने अपनी अपनी पार्टी की तरफ से नेता के रूप मे समर्थन किया। मुझे आ ाा है कि आगे आने वाले समय मे भी ये लोग आपको समर्थन देते रहेगे और आप समर्थन लेते रहेगे। जिस प्रकार से आज इन सारो ने जुबानो कलामी समर्थन दिया है, मुझे आ ाा है उसी तरह से आगे आने वाल समय मे भी आपको यह समर्थन देते रहेगे। इस सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए वे यदि समर्थन न दे, यह तो उन की ज्यादती होगी। आपको यहां पर जो स्पीकर चुना गया है उसके चुराने मे उन्होने जो समर्थन होगी। आपको यंहा पर जो स्पीकर चुना गया है, उसके चुनने मे उन्होने जो समर्थन दिया है हमे आ ाा है कि यह इससे भी आगे चलेगे। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आप इस सारे पोलीटीकल प्रकरण को जानते है। मुझे आ ाा है कि आप इस असैम्बली को सुचारू रूप से चलायेगे और भगवान से भी मेरी यही प्रार्थना है कि वह हमारी असैम्बली को ठीक तरीके

से और पूर्णतया ठीक तरीके से चलाने मे आपकी मदद करे। इन्ही भाब्दो के साथ अन्त मे मै आपको एक बात फिर मुबारिकवाद देता हू। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः मै सभी माननीय सदस्यो का और सभी पार्टियो का जिन्होनें मुझे सर्वसम्मति से इस गरिमापूर्ण असैम्बली का अध्यक्ष चुना है, पूरी नम्रता से आभारी हू और उनका धन्यवाद करता हूं। यह एक प्रजातन्त्र राज्य है। इसमे सभी बाते आपस मे डिस्क ान से व विचार विम र्ा से ही हल हुआ करती है। अगर हल होती तो ऐा नही कि कोई पूर्ण रूप से उन पर ध्यान नही देता बल्कि यह कि कम से कम व्यक्ति अपने तरफ से अपने दिल की भडास तो निकाल हो लेता है। अपने विचार जाहिर कर लेते है। जो एक्सप्रै ान है, उससे भी सतोश मिलता है। तो जंहा तक बोलनेक का ताल्लुक है, मै सभी पाटियो को जैसी भी उनकी प्रोपोर्ा ानेट स्ट्रैन्थ है, उसके मुताबिक, और उससे भी मै समझता हू कि विपक्ष को कुछ न कुछ ज्यादा टाईम ही दूगा क्योकि जो रूलिंग पार्टी होती है, उसके मैम्बर्ज का तो काम हो जाता है। मुझे इस बारे मे अपना खुद का तजुर्बा है। मैने इस असैम्बली मे अपने तीन कार्याकालो मे अपने हल्के की कोई खास बाते नही कही, जो अक्सर यहा पर कहने की परम्परा रही हैं। अक्सर बहुत सी ऐसी बाते होती है जो एक पार्टी मे चीफ मिनिस्टर को या मिनिस्टर को या पार्टी लीडर को नही कही जा सकती लेकिन यहा पर बडी आसानी से कही जा सकती है। रूलिंग पार्टी के लोग तो

अपने हल्के के या दूसरे काम वैसे ही जाकर करा लेते है। उनको यहा पर ज्यादा बोलने की जरूरत नही है। यहा पर बोलने से कोई ज्यादा काम होता हो, ऐसी कोई बात नही है लेकिन आदमी के अपने अपने विचार है। कोई व्यक्ति किसी बात को सोचकर बोलता है तो कोई कुछ और सोचकर बोलता है। सभी के विचार यहां पर आने से हर किस्म के सुजैक ान आते है। म्यूचुलय डिस्क ान से सभी वर्गा के सभी लोगो के जो अलग अगल रिजन और अलग अलग हल्को और वर्गा को रिप्रजैट करते है, के विचार आते है। विचार विर्म ा से ही प्रजातन्त्र मे राज चलता है। मै यह वि वास करता हूं कि सभी सदस्य पूर्ण रूप से और सभी पार्टीयो, जैसा इन्होने आज यहा पर यूनानमसली इलैक ान किया है, इसी तरह से हाउस को चलाने मे भी सहयोग देती रहेगी। मेरा और से नए मैम्बर को टाईम मिलेगा और पार्टीज को भी टाईम मिलेगा। यहां पर लम्बे सै ान चलाने की बात कही गई है। इस सम्बन्ध के सभी सदस्यो ने अपने विचार रखे। यह ठीक है कि पहले पजाब के टाईम मे हम देखते थे कि लम्बे सै ान होते थे लेकिन जो भी कुछ कारण हो, उन कारणो से हरियाणा से सै ानज थोडे ही टाईम के लिए होते रहे। इसलिए मै अपनी तरफ से चाहूगा कि सै ान लम्बे हो। इस सम्बन्ध मे एक बात कहना चाहूगा कि यह गवर्नमैंट का काम है। हमे तो जिस ढग से ऐजेन्डा बना कर भेजा जाएगा, जो बिजनैस हाउस के सामने होगा उसी के मुताबिक सै ान चलाना पडेगा। मै सभी सदस्यो का और पार्टीज के सभी नेताओ का पुन धन्यवाद करता हू। जयहिन्द।

उपाध्यक्ष का चुनाव

Mr. Speker: Under Rule 10 (1) of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly] I fix today imeddiately, the 9th July, 1991 as the date for the election of the Deputy Speaker.

Now I, Call upon the hon'ble Members to propose the name/names for the election of the Deputy Speaker.

श्री सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मै जानना चाहता हू कि क्या मुख्यमंत्री जी ने हमारी प्रोपोजल मानी है ?

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): आप पहले मेरी बात सुनने की कृपा करे।

श्री सम्पत सिहः मै तो केवल इतना ही पूछना चाहता हू कि क्या आपने हमारी प्रोपोजल मान ली है?

श्री भजन लालः आप पहले मेरी बात सुनने की कृपा करे। अध्यक्ष महोदय, मै डिप्टी स्पीकर के पद के लिए एक ऐसे व्यक्ति का नाम प्रोपोल करने जा रहा हू जो बेकवर्ड जाति से ताल्लुक रखता है और बहुत ही योग्य व्यक्ति है, बहुत ऊचे करैक्टर का व्यक्ति है और जहा तक मै समझता हू माननीय सदस्य जब उनका नाम सनुेगे तो जैसे आपके नाम पर सर्व सम्मति जाहिर की गई और आपके नाम का स्वागत किया गया इसी तरह से उनके नाम का भी सारा सदन स्वागत करेगा।

अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हू–

कि श्री सुमेर चन्द भटठा जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य है और सदन मे उपस्थित है, को उपाध्यक्ष पद के लिए चुना जाए।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हू।

वाक आउटस

श्री सम्पत सिह: स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने हमारी पार्टी के किसी सदस्य को चूकि डिप्टी स्पीकर बनाने की बात को नही माना है इसलिए हम वाक आउट करते है।

(इस समय श्री सम्पत सिंह सहित जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

श्री बसी लाल: स्पीकर साहब, हमे सदन के नेता से आ ाा थी कि वे हैल्दी ट्रेडी ान कायम करने के लिए विरोधी पक्ष के किसी मैबर को डिप्टी स्पीकर बनाएगे लेकिन सदन के नेता ने अपोजी ान को डिप्टी स्पीकर की पोस्ट न देकर कोई अच्छी प्रथा नही डाली है। सदन के नेंता ने जिस आदमी का नाम प्रोपोल किया है उसके खिलाफ मै कुछ नही कहना चाहता लेकिन इन्होने

कोई अच्छी प्रथा नही डाली है। हम इसके विरोध मे वाक आउट करते है।

(इस समय श्री बसी लाल सहित हरियाणा विकास पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, अगर चौधरी बसी लाल डिप्टी स्पीकर बनना चाहे तो मै उनका नाम प्रोपेज करता हू।

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, श्री सुमेर चन्द भटठ के नाम पर किसी को कोई एतराज नही है। समेर चन्द भटठ बहुत बेहतरीन किस्म के व्यक्ति है हम भी उनका उतना ही सम्मान करते है जितना कि सदन के नेता करते है। लेकिन बात तो हैल्दी ट्रैडी ान कायम करने की है। स्पीकर साहब, आपके नाम को फराखदिली के साथ सब ने स्वीकार किया। इसमे कोई लम्बी चौडी बात नही है कि अपोजी ान के किसी सदस्य को डिप्टी स्पीकर अगर बना दिया जाए तो उससे कोई फर्क पडेगा। डिप्टी स्पीकर को कोई ऐसी पोस्ट नही है। कि अगर किसी समय आप न हो तो डिप्टी स्पीकर सत्ता पक्ष का या सरकार को कोई नुकसान कर दे। यह तो एक हैल्दी ट्रेडी ान कायम करने की बात थी। मै तो यह कहूगा कि जो सताधारी पक्ष के लोग है, वे इस मामले मे बडे ही नैरोमाइडिड किस्म के लोग है। अत हम भी इस के विरोध मे वाकग्राउट करते है। (इस समय श्री वीरेन्द्र सिंह सहित जनता दल के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दी अपोजी ान की और से जो प्रोपोजल आई थी, वह बहुत ही अच्छी थी। हमे कोई ऐतराज नही है। अध्यक्ष महोदय, जिस सदन की भाुरूआत बहुत अच्छी हुई हो और अध्यक्ष पद का चुनाव सर्वे सम्मति से हुआ हो उसी तरह से उपाध्यक्ष पद के लिए हमारी लीडर औफ दी हाऊस से यह गुजारि ा है कि वे अपने निर्णय पर पुनविर्चार करे। हमे लग रहा है कि भाायद वे अपना मन कुछ बना भी रहे है। अगर लीडर औफ दी हाउस विपक्ष के प्रस्ताव से सहमति प्रकट नही करना चाहते तो हम भी इस के विरोध मे सदन से वाक आउट करते है। (इस समय श्री राम बिलास भार्मा और भारतीय जनता पार्टी के दूसरे सदस्य श्री खरैती लाल सदन से वाक आउट कर गए)

उपाध्यक्ष का चुनाव (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Motion moved-

That Shri Sumer Chand Bhatt, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elceted as Debuty Speaker of the Assembly.

is there any other proposal ?

(Voises: No)

Mr. Speaker: Since there is no other proposal before the House, I declare shri Sumer Chand Bhatt duly elected as Deputy Speaker and request him to occupy his seat.(Thumping)

(At this stage Shir Sumer Chand Bhatt escorted by the Chief Minister and Irrigation & Power Minister occurpted the seat of the Deupty Speaker)

बधाई भाशण

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै श्री सुमेर चन्द भटट को उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने पर मुबारिकबाद देता हू। भट्ट साहब बहुत पुराने व सुलझे हुए व्यक्ति है और एक योग्य लैजिस्लेटर है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि भट्ट साहब ने नग्गल हल्के की नुमाइदगी की, अम्बाला सिटी की नुमाइदगी की और वे सर्बेन्टस औफ दी पीपल्स सोसाइटी के सदस्य रहे है। इस सस्था ने दे ा मे बडी भारी समाज सेवा की है। इस सब कार्यो के लिए मै इनको मुबाकिवाद देता हूं लेकिन मै इतना अव य कहूगा कि श्री भटट के उपाध्यक्ष बनने से इस सदन की गरिमा और मान मर्यादा बहुत ऊंची उठेगी। हम उन से ऐसी उम्मीद है कि वे इस सदन के सभी माननीय सदस्यो के साथ एक जैसा व्यवहार करेगे और ज्यादा से ज्यादा सदस्यो को इस सदन मे अपने विचार व्यक्त करने का पूरा पूरा मौका देगे और किसी को उन से गिला ि ाकवा नही होगा।

अध्यक्ष महोदाय, अपोजी ान का भी अपना एक रोल होता है लेकिन मुझे दुख के साथ यह कहना पडता है कि जब उन्होने देखा कि उनके पास बात तो कोई कहने की है नही केवल इस नजरिये से वे हाउ से उठ कर चले गए कि ऊपर बैठे प्रैस के

महानुभाव उनकी और देखे और अखबारो मे उनके नाम छाप दे कि अपोजी ान के भाई विरोध स्वरूप सदन से उठकर चले गए। ऐसा इन भाईयो ने केवल अखबारो मे अपना नाम छपवाने के लिये किया है। कितना अच्छाा होता कि अगर वे भाई भी इस उपाध्यक्ष के चुनाव के भारीफ होते, इस मे हिस्सा लेते। अध्यक्ष महोदय, भट्ट सहाब बडे ही नेक और भारीफ इन्सान है इसलिए उनको उसके चुनाव मे अव य ही हिस्सा लेना चाहिये था और अपनी बात यहा पर कहनी चाहिये थी। अध्यक्ष महोदय, यहां जो हमारे इडीपैडैट एम0एल0एज0 है मै उनका भाुक्र गुजार हूं कि वे हाउस मे बैठे हुए है और मुझे आ ाा है कि वे इस सदन की कार्यवाही मे हिस्सा लेगे। मै बी0एस0पी0 के एम0एल0ए0 का भी भाुक्रगुजार हू कि वे भी सदन मे उपस्थित है। अध्यक्ष महोदय, ये सदस्यगण समझते है कि हाउस की गरिमा क्या है फक ान क्या है। आज सदन की बैठक का पहला दिन है। जैसे सभी ने मिलकर सर्वसम्मति से आप का चयन किया उसी प्रकार से अब भी किया जाना चाहिए था लेकिन विपक्ष के माननीय सदस्यो ने थोडी से चूक करने के कोि ा ा की जो नही करनी चाहिए थी। अध्यक्ष महादेय, मै फिर से भट्ट साहब को मुबारिकवाद देता हू और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वे इस सदन की गरिमा को कायम रखेगे और सारे सदन के सदस्यो को वे बोलने का पूरा पूरा मौका देगे तथा सब का सामान समझ कर उनका पूरा ध्यान रखेगे। इन भाब्दों के साथ मै उनको एक बार फिर बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हू।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आज सदन के नेता ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए माननीय श्री सुमेर चन्द भट्ट के नाम का प्रस्ताव किया और अभी अभी आपने उसके चुनाव की विधिवत घोशण की। श्री भटट 1977 से 1982 तक इस सदन के माननीय सदस्य रहे। मुझे इस बात का गर्व है कि मुझे उसके काम करने का मौका मिला। उस समय इन्होने जिस प्रकार से हाउस मे अपने कर्त्वय का निर्वहन किया, अपने क्षेत्र की जो इन्होने वकालत की, वह बहुत सराहनीय थीं। इसके अलावा पूरे प्रान्त की जो सम्सयाए है उनके बारे मे भी जिनता ज्ञान इनको है उतना भाायद बहुत कम माननीय सदस्यो को होगा। स्पीकर साहब, 1982 के चुनाव के समय काग्रेस पार्टी के माध्यम से विभिन्न फोर्मो से जिस प्रकार से इन्होने पार्टी की योगदान दिया वह भी बहुत सराहनीय था। ये समाजवादी विचारधारा के व्यक्ति है, गरीब लोगो से जुडे हुए है और उनकी समस्यओ के बोर मे उनका पूरा ध्यान है मुझे उम्मीद है कि एक बुद्धि जीवी और समाज सेवी होने के नाते ये जिस ओहदे पर चुने गए है उसको ये चार चान्द लगाएगे। स्पीकर साहब, क्योकि विपक्ष के लोग यहां पर मौजूद नही है इसलिए मै उनकी अनुपस्थिति मे ज्यादा कहना उचित नही समझता। जब वे सामने होगे तो हमको मौका मिलेगा कि हम उनका बखिया उधेड सके। लेकिन वे लोग जिस मर्यादा की दुहाई देकर वाक आउट करके गए है उससे ऐसा लगता है जैसे कोई भौतान कूरान की आड मे अपने आप का बचाव करना चाहता है। इसके लिए अग्रेजी मे कहा गया है " Devil

quoting scriptures. आज के जो विपक्ष के लोग है अगर इन्होने हरियाणा मे या इस विधान सभा मे मान मर्यादा कायम रखी होती तो वे ऐसी बात कर सकते थे। चौधरी बंसीलाल का रिकार्ड रहा है कि उनके वक्त मे तो विपक्ष का नेता उनकी जेब मे होता था। उन्होने ऐसा आदमी बनने ही नही दिया जो वाकई विपक्ष का नेता उनकी जेब मे होता था। उन्होने ऐसा आदमी बनने हो नही दिया जो वाकई विपक्ष नेता हो। आज वे विपक्ष की बात करते है। इसलिए यह जो निर्णय लिया गया है मै समझता हू इससे अच्छा चयन और किसी व्यक्ति का नही हो सकता था। मै अपनी और अपनी पार्टी की और से एक बार फिर आपको और इनको बधाई देता हू और वि वास दिलाता हूं कि काग्रेस पार्टी के सदस्य इस हाउस की गरिमा को बनाने के लिए और हाउस को अच्छे तरीके से चलाने के लिए आपको अपना पूर्ण सहयोग देगे। धन्यवाद।

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने डिप्टी स्पीकर के पद पर चयन के लिए एक निहायत ही भारीफ और ईमानदार आदमी श्री सुमेर चन्द भट्ट जी का नमा परपोज किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र है। अध्यक्ष महोदय, अपोजि ान के नेता उनके नाम की तारीफे करते हुए भी सदन की मर्यादा को नही रख पाए और सदन से वाक आउट कर गए। पहले जहा उन्होने अपनी तकरीर मे हम पाचो का नाम जोडा था वहा उन्होने हमारी उस तजवीज को पीछे किया। हमने उनको बहुत समझाया कि इस समय वाक आउट की कोई जरूरत नही है।

आप अपनी पार्टी के किसी सदस्य का नाम प्रोपोज कर दे। लेकिन किसी सदस्य का नाम प्रोपोज करने की बजाय सदन से वाक आउट करके चले गए। अध्यक्ष महोदय हम सभी इनडिपैडैट सदस्य आप को वि वास दिलाते है कि हम अपनी तरफ से सदन की मर्यादा रखेगे। अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के सदस्यो ने केवल इसलिए सदन से वाक आउट किया है ताकि उनका अखबारो मे आ जाए। यह उन्होने कोई अच्छा काम नही किया। महज अपना नाम अखबारो मे जुडवाने के लिए वाक आउट करना उनके लिए कोई अच्छी भुरूआत नही है। अध्यक्ष महोदय, 1986 मे मै भी इस सदन का सदस्य था और आप भी थे उस समय इस सदन के एक सम्मानित सदस्य ने एक बहुत ही दुखभरी कहानी सदन के सामने रखने के की कोि ा ा की थी और वह कहानी पजाब मे काफी आदमी मारे गए थे, उनके बारे मे थी। लेकिन उस समय चौधी बंसी लाल जी ने उस सदस्य को बहुत झाडा और बोलने नही दिया। वह माननीय सदस्य सदन के अन्दर अपनी मैम्बरि ाप से इस्तीफा दे कर सदन छोड कर चले गए थे। अध्यक्ष महोदय, ऐसे लोग मर्यादा का रास्ता दिखाए जो खुद नही जानते तो विरोधी पक्ष के भाई कैसे समझगे कि सच्चाई क्या है। अध्यक्ष महोदय, मै सुमेर चन्द भट्ट के डिप्टी स्पीकर के पद पर चुने जाने पर उनको बधाई देता हू। हमारा पूरा सहयोग आपके साथ रहेगा। हम पांचो इनडिपैडैट सदस्य इस राय के है कि अच्छे काम के लिए हम आपको पूरा सहयोग देगे। इन भाब्दो के साथ मै एक बात फिर

भट्ट साहब को बधाई देता हुआ अपना स्थान लेता हू। जय हिन्द।

श्री भोर सिंह (सढौरा, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय भट्ट साहब को उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूं इसके साथ ही मै सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी का आभार प्रकट करता हूं कि उन्होने सही मायनो मे ईमानदार, समझदार, और बुद्धिमान व्यक्ति का उपाध्यक्ष के पद के लिए चुनाव किया है। अध्यक्ष महोदय, भट्ट साहब की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। भटट साहब ने बचपन से ही गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया है। जैसे मुख्यमंत्री जी ने बताया कि भट्ट साहब से ही सर्वेन्टस औफ दी पीपलज सोसायटी से जुडे रहे है। भट्ट साहब ने दर्जनो विदे ाी यात्राए की है। इसके अलावा भट्ट साहब 20 प्वायट प्रोग्राम के चेयरमैन भी रहे है। जब ये काग्रेस पार्टी के महामंत्री होते थे उस समय ये नगल हल्के से ताल्लुक रखते थे। मुझे इनके साथ काम करने का मौका मिला है। अध्यक्ष महोदय, आप ही की तरह भट्ट साहब सभी साथियो का साथ ले कर चलने वाले व्यक्ति है। मै आपके द्वारा भट्ट साहब से यह उम्मीद करता हू कि जब भी थोडा बहुत समय हाउस की कार्यवाही चलाने का इन्हे मिलेगा तो हम पांचो इनडिपैडैट सदस्यो का ये ज्यादा ध्यान रखेगे। इन भाब्दो के साथ मै एक बार फिर भट्ट साहब को डिप्टी स्पीकर पद पर चुने जाने के लिए बधाई देता हुआ अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

श्री जाकिर हुसैन (तावड): आदरीणय स्पीकर साहब, मै आपको सर्वसम्मति से स्पीकर के पद पर चुने जाने और भट्ट साहब के डिप्टी स्पीकर के पद पर चुने जाने के लिए मुबारिकवाद देता हू। हमने आपके बारे मे बुजर्गो से सुना ही है लेकिन अब आपके साथ काम करने का मौका मिलेगा और मै उम्मीद करता हू कि आपके इस कुर्सी पर बैठने से हम जैसे नए विधायाको को अपने अपने विचार व्यक्त करने का पूरा पूरा मौका मिलेगा और हमारे साथ न्याय होगा। इन मुबारिवाद देते हुए अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया (बाबल अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै श्री समेर चन्द भट्ट साहब जी को डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हू। इनके डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर मुझे बेहद खु ाी है। आज का दिन बडा सौभाग्य ााली है क्योकि एक तो आप अध्यक्ष बने और दूसरे हरियाणा के विधायक श्री समेर चन्द भट्ट जो निहायत भारीफ सज्जन और कौमल स्वभाव के व्यक्ति है उपाध्यक्ष के पद पर आसीन हुए। इनका जीवन बडा सीधा सात्र रहा है। ये बडे कर्म ााली व्यक्ति है। ये आज जो भी है अपनी कडी मेहनत की वजह से ही इस पद तक पहुचे है। ये लाला लाजपतारय की विचारधारा से जुडे हुए है उनके सपनो को साकार करने के लिए ये दिन रात कार्यरत है ये चाहे एम0एल0ए0 रहे हो या न रहे हो हमे ाा लाला लाजपतराय द्वारा स्थापित सस्थाओ को सुचारू रूप देने के लिए दिन राज लगे

रहते है। मैने इनको बहुत ही नजदीक से देखा है। मै इनके उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने पर अपने आपको बडी भाग्य ाली समझती हू। अध्यक्ष महोदय, एक बात इनके बारे मे सभी साथी मुझे कहने के लिए कह रहे है और मै भी उसे कहे बगैर नही रह सकती कि ये कागज और पैन का कम से कम प्रयोग करेगे और टाईम का पूरा पूरा ध्यान रखेगे हंसी अन्त मै स्पीकर साहब, मै इनको पुन बधाई देते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपको और भट्ट साहब को स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर बधाई देता हू। हमारे सदन के नेता चौधरी भजन लाल ने जो एक अच्छी भुरूआत की है उनके लिए वे भी बधाई के पात्र है क्योकि उन्होने सदन की कार्यवाही चलाने के लिए आप दोनो का राम प्रयोज किया है। भट्ट साहब मे सभी गुण मौजूद है। इनके उपाध्यक्ष चुने जाने पर हमारे क्षेत्र का मान बढा है। आप दोनो के कन्धों पर जो जिम्मेवारी आई है उस बारे मे मुझे पूरी भाशा कि आप उसगे बखूबी निभाएगे और सभी साथियो का पूरा पूरा ध्यान रखेगे। उपाध्यक्ष पद के लिए जब भट्ट साहब का नाम पे ा हुआ तो हमारे अपोजी ान के साथी यहा से उठ कर चले गए। यह उन्होने एक अच्छी बात नही की। स्पीकर साहब, आपको तो काफी तजुर्बा है । आप तकरीबन सभी मैम्बर्ज के बारे मे जानते भी है। आप हरियाणा के कोने कोने से वाकिफ है। हमे उम्मीद है कि आप अच्छी अच्छी परम्पराए इस महान सदन के लिए कायम करेगे। आज

हामारे कुछ साथी परम्परा की आड मे सदन से उठ कर चले गए है। ये लोग सदन को छोड कर गए है जिनको लोगो ने रिजैक्ट कर दिया है। अन्त मे स्पीकर साहब, मै आपको स्पीकर और भट्ट साहब को डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर पुन बधाई देता हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री छतर पाल सिंह (धिराये): स्पीकर साहब, हमारे सदन के नेता द्वारा आपका नाम अध्यक्ष पर के लिए और श्री सुमेर चन्द भट्ट साहब जी का उपाध्यक्ष पद के लिए प्रयोज करने पर और आप दोनो के चयन पर मै आप दोनो को हार्दिक बधाई देता हू। हमारे अपोजी ान के कुछ साथी यहा पर बैठे नही है। यदि इस समय वे यहा पर बैठे होते तो बात कहने का कुछ और ही मजा आता। मेरी व्यक्तिगज राया है कि उपाध्यक्ष के लिए यदि अपोजी ान के सभी भाई मिल कर सजपा को छोड कर किसी दूसरी अपोजी ान पार्टी के मैम्बर का नाम प्रस्तावित करते तो भाायद हमारे सदन के नेता उसे स्वीकार करने की सोचते और उनको इस पद को लेने को मौका मिल सकता था। लेकिन सभी अपोजी ान के साथियो ने इस पद की जिम्मेवारी ऐसे संगठन पर डलवानी चाही जिसका स्वय इतिहास अनडैमोक्रेटिक व ताना ााही प्रवृत्ति का रहा है। आज वे सदन मे मर्यादा की बात करते है उन लोगो पर कैसे वि वास किया जा सकता है जिन्होने पिछले चार सालो मे या जितने लम्बे समय अर्से के लिए वे सत्ता मे रहे बहुत अन डैमोक्रेटिक व ताना ााही प्रवृत्ति से राज किया। अब उन

लोगो से कैसे उम्मीद कर सकते है कि वे कोई अच्छा काम करेगे। तो मह जो आप आप दोनो का चुनाव हुआ है, सदन के नेता द्वारा जो प्रस्ताव किया गया है यह बहुत ही अच्छा है और मै इसका समर्थन करता हूं। आप दोनो के साथ मेरे बहुत अच्छे ताल्लुक है। आप ऐसे इलाके से जो कृशि प्रधान है, रूरल ऐरिया है, पिछडा हुआ क्षेत्र है। स्पीकर साहब, आप और डिप्टी स्पीकर साहब दोने की कृशक समाज के निम्म वर्ग से ताल्लुक रखते है। आपका ताल्लुक ि ाक्षा जगत से भी रहा है और सौभाग्य से मै ि ाक्षा से जुडा हुआ है सो मै व्यक्तिगत तौर से स्वय को सब से ज्यादा सौभाग्य ाली समझाता हू। क्योकि आप दोनो का चुनाव अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए हुआ है। आप ग्रामीण जनता के सस्कारो से जुडे हुए लोग है। मै समझता हू कि आने वाले समय मे सदन की जो भी कार्यवाही होगी उसमे ऐसे इलाके के प्रतिनिधियो को वि ोश रूप से समय मिलेगा ताकि हम इलाके की सम्सयओ को सरकार के सामने रखने के बारे मे पूरी तरह से खते उतर सके। हम सदन के नेता से भी उम्मीद रखते है कि प्रदे ा के अन्दर अच्छी प्रथा डालने के लिए पिछडे हुए इलाके के लोगो को सम्सयाओ को उठाने के हमे वि ोश रूप से समय और मौका मिलेगा ताकि हम अपनी बात यहां रख सके। मै अपनी तरफ से आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हू और स्वागत करता हू कि आप दोनो इन गरिमामाय पद पर विजानमान हुए है। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, मै आपको स्पीकर चुने जाने पर तथा श्री सुमेर चन्द भट्ट जी को डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हू। हमारी पार्टी के नेता तथा सदन के नेता श्री भजन लाल ने आप जैसे व्यक्तियो को इस गरिमामय पोस्टस के लिए चुना है उसके लिए मै बधाई देते हुए 2–3 बाते कहना चाहूगा । पिछले सदन के अन्दर मै विपक्ष के सदस्य के तौर पर रहा हू और भाई महेन्द्र प्रताव सिंह जी भी बहुत अच्छी तरह से जानते है कि आज जो प्रिसिपल की बाते करते है वे किस तरह से प्रिसिपल की धज्जिया उडाते रहे है। हम विपक्ष के लोगो को बोलने का मौका नही दिया जाता था। मै आपसे केवल इनता ही कहना चाहूगा कि आप ऐसी पोस्ट पर विराजमान है जो बहुत ही गरिमामय है। मेरे जैसे व्यक्ति जिनका सम्बन्ध ऐग्रीकल्चर बैकग्राऊड से है, यह उम्मीद करते है कि आप हमे बोलने का पूरा मौका देगे ताकि हम अपने हल्के की बात इस हाउस के अन्दर कह सके। हम यहां पर इसलिए चुन कर आए है ताकि हम अपने इलाके की समस्याओ को उठा सके और इस भाासन की डयूरे ान मे उनको हल करवा सके। इसके अतिरिक्त मे एक और बात वि ोश रूप से कहूगा कि इससे पहले सै ान की डयूरे ान की जो प्रथा चल रही थी वह बिल्कुल गलत थी। इसलिए मै चाहूगा कि सै ान की डयूरे ान को बढाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै आपके स्पीकर तथा श्री सुमेर चन्द भट्ट के डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर एक बार फिर हार्दिक बधाई देता हू। धन्यवाद।

श्री सुभाश बतारा (रोहतक): आदरीणय अध्यक्ष महोदय, आज आपका तथा श्री सुमेर चन्द भट्ट जी का जो चुनाव हुआ है वह बिल्कुल ठीक हैं। आप दोनो सही मायने मे इन ओहदो के काबिल थे। भट्ट साहब एक मुक्कल इन्सान है। आप दोनो इस ओहदो पर चुने गए है इनकी सभी ने तारीफ की है। इस अवसर पर और भी बहुत सी बाते कही गई है। यह सारी भाुरूआत बहुत ही अच्छी हुई है। जिस ढग से आपका चयन हुआ वह बहुत अच्छा था और अपोजि ान के साथियो ने भी कोई गलत बात नही कही केवल अपनी परम्परा को निभाया है क्योकि पिछले 4 सालो मे ये लोग किस तरह से परम्परओ की धज्जिया उडाते रहे है यह सब लोग जानते है। आज सारे हाउस के अन्दर एक नई बात हमारे चौधरी भजन लाल जी ने कही है कि ये लोग किरकिरापन ले कर आए है। यह इन लोगो के लिए सही नही था लेकिन हम सभी लोगो द्वारा आपका और श्री सुमेर चन्द भट्ट जी का जो यहां पर चयन हुआ है, इसका हदय की गहराईयो से स्वागत करते है और हाउस के अन्दर और बाहर भी फुल कोआप्रै ान देने का वायदा करते है। धन्यवाद।

श्री फूल चन्द मुलाना (मुलाना अनुसूचित जाति): माननीय अध्यक्ष जी, मै श्री सुमेर चन्द भट्ट साहब के उपाध्यक्ष चुने जाने पर उनको हार्दिक बधाई देता हूं सुमेर चन्द भट्ट जी का अम्बाला जिले के खतौली गांव मे एक गरीब परिवार मे जन्म हुआ। इन्होने उच्च ि ाक्षा प्राप्त की । समजा सेवा मे अपना सारा

जीवन लगा दिया और अब भी समाज सेवा मे लगे रहते हैं हमारे विरोधी दल के वे साथी जो यहा से उठकर चल गए है वे केवल इसलिए चले गए ताकि अखबार की सुर्खियो मे उनका नाम आ जाए। पहले तो उन्होने खुद इस बारे मे कोई स्वस्थ परम्परा कायम नही की। क्योकि कोई ऐसी परम्परा अब तक नही रही है, इसलिए उनका चला जाना यह जाहिर करता है कि पिछडे वर्ग के कल्याण के लिए उनका कितना लगाव है, उनका वाक आउट करना यह जाहिर करता है। इससे आप खुद की अन्दाजा लगा सकते है कि पिछडे वर्ग के लिए उनके मन मे कितना प्रेम है रही परम्परा की बात। इस बारे मे मुझे एक भोर याद आ रहा है कि

जिनको हम से है वफा की उम्मीद,

वह नही जानते कि वफा क्या है।

आप और भट्ट साहब दोनो ही बहुत बुद्धिमान और सुलझे हुए व्यक्ति है। हमे इस बात की पूर्ण आ ा है कि आप सदन तो बडे अच्छे ढग से चलायेगे और इसकी गरिमा को कायम रखेगे। इलैक ान के बाद जब भट्ट साहब को हमारे सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी लेकर जा रहे थे तो हम यह महसूस कर रहे थे कि वे इनके पक्ष से विपक्ष मे लेकर जा रहे है। हमने तो एक व्यक्ति पक्ष से उठाकर विपक्ष को दिया है। आज के बाद वह विपक्ष मे बैठेगे। हम भट्ट साहब से और आपसे यह चाहेगे

कि आप लोग सदस्यो को बोलने का पूरा मौका दे ताकि आप भी हाउस को अच्छी तरह से कडक्अ सके। धन्यवाद।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान (कैथल): स्पीकर साहब, आज विधान सभा के सत्र के पहले ही दिन जो इस सदन के नेता ने फैसला लिया है, वे वाकई प्र ासनीय है। स्पीकर सर, आज तक ये लोग बैकवर्ड क्लासिज और माइन्योरिटीज की बात करते रहे है लेकिन आज ये सदन को छोडकर भाग गये। यह लोग केवल बाते करते है। सदन के नेता ने जो फैसला लिया कि एक बैकवर्ड क्लास का व्यक्ति हमारा डिप्टी स्पीकर चुना जाए और आप, जो माइन्योरिटी क्लास से सम्बन्ध रखते है स्पीकर चुने जांए यह वाकई एक प्र ासनीय फैसला हैं। मै इसके लिए सदन के नेता को बधाई देता हू। और आप दोनो महानुभावो का भी बधाई देता हू। उन लोगो के बारे मे जो आज तक प्रजातन्त्र की बात करते रहे है जब कभी मुझे समय मिलेगा मै बात करूगा यह कहते है कि प्रजातन्त्र के अनुसार यह काम होना चाहिये था। मै उनसे यह कहना चाहता हू कि जब हमारे साथ अन्याय हो रहा था उस समय उनकी यह बात कहा थी। इसलिए जब समय मिलेगा और वे अन्याय हो रहा था, उस समय उनकी यह बात कहा थी। इसलिए जब समय मिलेगा और वे यहा पर होगे, मै तभी बात करूगा। बदकिस्मती से मै उनके साथ चार साल तक रहा हू मुझे पता है कि किस प्रकार से उनकी पार्टी मे काम हुआ करते थे। चार साल मे वि ोश कर मुझ जैसे लोगो के साथ क्या क्या और कितनी

ज्यादती की है, यह मै उनके सामने ही बताऊगा। व्यवधान। पीछे से बताने का कोई फायदा नही हैं स्पीकर साहब, आज आपका इस पर पर आसीन होना, मेरे लिये बहुत ही ज्यादा खु ाी की बात है क्योकि मेरा हल्का आपके पडोस का है। मेरा आपके पडोस के हल्के के सम्बन्ध है। तो मै आपसे यह आ ाा करूगा कि आप जहा अपने हल्के की समस्याओ के बारे मे सरकार से गौर करवायेगे, वहा मेरे भी विचार उस इलाके की समस्यओ के बारे मे सुनेगे। मै भट्ट साहब को बधाई देता हू और आ ाा करता हूं कि जिस पद पर वह चुनकर आये है, इसकी गरीमा को वे कायम रखेगे और परम्परओ को निभाने की कोि ा ा करेगे। अन्त मे मै आप दोनो को बधाई देता हू और मुख्यमंत्री महोदय को और इस सदन के नेता को बधाई देता हू क्योकि जो इन्होने आपके बारे मे फैसला लिया है, वह वाकई एक प्र ासनीय फैसला लिया है। धन्यवाद।

श्री लीला कृश्ण (फतेहबाद): आदरणीय स्पीकर साहब, सब से पहले तो मै लीडर आफ दि हाउस को दाद लेता हू कि उन्होने डिप्टी स्पीकर के पद के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम प्रोपोज किया जो बैकवर्ड क्लासिज से है। वे एक सुलझे हुए, नेक, सादा और जो गुण आप मे विधमान है उनमे से काफी गुण उनमे भी विधमान है। वे मैन्टली और स्प्रीचुली इलीम्युनेटिड है इसके कोई भाक नही है। लेकिन वे लोग जो बैकवर्ड क्लासीज के बहुत हमदर्द बनते है और बैकवर्ड क्लासिज की भलाई करने के बारे मे बहुत

कुछ कहते है और उनके बारे मे अखबारात मे बडे लम्बे चौडे ब्यान देते है वे आज बर्दा त नही कर से कि बैकवर्ड क्लास की एक सही इसंान डिप्टी स्पीकर की कुर्सी पर बैठे। मै आप के द्वारा भट्ट साहब जी को बधाई देता हू क्योकि आज एक भाानदार व्यक्ति जो बैकवर्ड क्लासिज से ताल्लुक रखता है डिप्टी स्पीकर की कुर्सी पर विराजमान हुआ है। मै प्रैस से कहूगा कि वे जनता के सामने इन लोगो की सही तस्वीर रखे जो नारो से और ब्यानो से आने आपको बकवर्ड क्लासिज के हमदर्द बताने की कोि ा ा करते है यह टाईम आता है कि उनका कोई भलाई का काम किया जाए तो वे पीछे हट जाते है। इससे जाहिर होता है कि उनके दिल मे उनके प्रति कोई हमदर्दी नही है। इन भाब्दो के साथ मै अपना स्थान लेता हू।

श्री राजेन्द्र सिह बिसला (बल्लभगढ): स्पीकर साहब, नई विधान सभा की कार्यवाही का आज पहला दिन है। आपका स्पीकर चुना जाना और भाई सुमेर चन्द भट्ट का डिप्टी स्पीकर चुना मै समझता हू कि हरियाणा प्रदे ा की बहुत बडी उपलब्धि है। आपके बारे मे हमारे सभी साथियो ने बहुत कुछ कहा है और जहा तक भाई सुमेर चन्द भट्ट का प्र न है मेरे साथ 1977 से 1982 तक वे इस सदन के सदस्य रहे। मै उनके घरेलू जीवन, सामाजिक जीवन, राजनैतिक जीवन मतलब यह है कि इनकी सभी गतिविधियो के साथ उनके मित्र के रूप से जुडा रहा हू। मै सदन के नेता का बहुत अभारी हू और उनकी दूरदि िता का सराहना करता हू।

छोटी मोटी बातो से ऊपर उठकर दोनो पदो के लिए जो चुनाव हुए इनके सदन केनेता की महानता और बौडर विचारधारा झलकती है। आज हरियाणा मे बहुत बडी समसयाए है उनसे जूझने की सदन के नेता की सोच और उसकी झलक हमारे सामने हैं। भाई सुमेर चन्द भट्ट का डिप्टी स्पीकर साहब, चुना जाना अपने आप मे एक बहुत बढी उपलब्धि है। स्पीकर साहब, मै ज्यादा न कहते हुए केवल एक बात और कहूगा कि हमारे साथियो ने कहा है कि बैकवर्ड क्लासिज से जुडे हए है लेकिन कोस्टिच्यू ानल मैटर्ज प्रदे ा की समस्याओ और राश्ट्रीय समस्यओ के बारे मे जितने सुलझे हुए और पूर्ण विचार इनके है, मै समझता हू बहुत कम साथियो के ऐसे विचार होगे। मै एक बार फिर भाई सुमेर चन्द भट्ट को अपनी तरफ से बधाई देता हू और साथ ही आपको बधाई देता हू और कहना चाहता हू कि बडे उच्च कोटि के सदस्य का इन पदो के लिए चुनाव कराया गया है।

श्री लक्ष्मन दास अरोडा (सिरसा): स्पीकर साहब, जहां तक सदन के नेता का सवाल है उन्होने आज आप की और श्री सुमेर चन्द भट्ट को चुनकर यह साबित कर दिया है कि सही कदम क्या होता है मै सुमेर चन्द भट्ट के बारे मे एक किस्सा बताना चाहता हू कि उनका भगवान पर कितना वि वास है। स्पीकर साहब, 1984 की बात है। मै उस समय मिनिस्टर आफ स्टेड था और भटट जी काग्रेस के जनरल सैक्रेटरी होते थे। श्री बुटा सिंह एयर पोर्ट पर आ रहे थे। हम दोनो उनको रिसीव करने

जा रहे थे कि रास्ते मे हमारी कार को आग लग गई। भट्ट साहब जी का च ामा कार की सीट के नीचे गिर गया और ये वही बैठे रहे। मैने बाहर निकल कर देखा कि भट्ट जी बाहर नही आए। इनकी कुछ न हो जाए मै जल्दी से आग मे ही कार के अन्दर घुसा और इनको गाडी से बाहर निकाला। मैने उस वक्त देखा कि ये कितने बहादुर है। इनके अन्दर किसी किस्म की कोई घबराहट नही थी। श्री सुमेर चन्द भट्ट बहुत की पक्के असूलो के व्यक्ति है । मुझे पूर्ण वि वास है कि श्री सुमेर चन्द भट्ट साहब की गरिमा को और भी ऊंचा उठाएगे। मेरी उनमे इतनी ही विनती है। अन्त मै एक बार फिर भी भट्ट साहब को बधाई देता हू।

स्वास्थय मंत्री (श्री करतार देवी): परम आदरीणय अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन के उपाध्यक्ष चुने जाने पर श्री सुमेर चन्द भट्ट की अपनी हार्दिक बधाई देती हू। मेरे से पूर्व बोलने वाले माननीय सदस्यो ने कहा कि श्री भट्ट साहब सर्वेन्टस आफ दी पीपल्स सोसायटी के लाइफ मैम्बर है। इसका मैम्बर वही बन सकता है जो अपने समस्त जीवन को इन्ही मूल्यो के लिए समपर्ति करे। इसी से ही इस बात का आभास हो जा है कि श्री भटटे जी का जीवन किन्ही मूल्यो के लिए, किन्ही आद ार्ा के लिए समपर्ति था। 20 प्वायट प्रोग्राम की इम्पलीमैटे ौन कमेटी के ये डिप्टी चेयरमैन थे और मै उसकी मैम्बर थी। मुझे भी इनके साथ काम करने का मौका मिला। ये इतने बुद्धिजीवी है कि जिन भी काम को

करते थे बउी ही बारीकी के साथ उसकी जड तक जाते थे। ये कहा करते थे कि हमे यह बडे ध्यान से देखना चाहिए कि जिस विशय पर हम विचार कर रहे है उसका लक्षय क्या होगा। अगर जा भी अपनी मजिल के प्रति, लक्ष्य के प्रति भटका देखा तो ये बडे प्यार से, बडे अच्छी तरीके से हमे समझाने की कोि ा ा करते कि अगर हम अपनी सही लक्ष्य से परे हट गए तो हम असल बात से पीछे हट जाएगे और अपने लक्ष्य की प्राप्ति नही कर पाएगे। इस तरह से हम यह देखते थे कि हर बात पर इन का कितना वास्ट नालेज थां समाजवाद के प्रति, ने केवल बैकवर्ड क्लाजिस बल्कि सभी के जीवन के प्रति उनका एक ही उदे य रहता है। ऐसी विचारधाराओ के प्रति इनकी गहरी निश्ठा है। इन सभी बातो को देखकर आज हमे बंडी खु ाी हो रही है। हमारे इस सम्मानित सदन के नेता आदरीणय श्री भजन लाल जी ने जो अपने कार्यक्रमो की घोशणा की है उसमे कानून व व्यावस्था का कार्यक्रम भी भाामिल है ताकि हम मां बेटी निडर हो रक रात के समय घूम सके। इसी तरह से पानी व बिजली की समस्यआो के समाधान के लिए भी प्रोग्राम रखे गये है। जिनसे हमारा जनता को आस लगी हुई है और लोगो को सरकार के इन कार्यक्रमो के कारण बडी खु ाी हुई है। उसी तरीके से आज अध्यक्ष महोदय, आपके अध्यक्ष पद और श्री सुमेर चन्द भट्ट के उपाध्यक्ष पद पर चुनाव करवा कर मुख्यमंत्री महोदय जी ने एक बडी ही बुद्धिमता का सबूत दिया है। जिसके लिए वाकई वे बधाई के पात्र है। अध्यक्ष महोदय, आज हमे यह कहते हुए बडा ही फखर महसूस हो

रहा है कि आप के अध्यक्ष व श्री भट्ट साहब के उपाध्यक्ष चुने जाने के कारण हरियाणा का यह सदन दूसरे प्रदे ाो के सदनो के लिए एक आद र्ा बनेगा क्योकि इस सदन का सचालन आप व भट्ट साहब जैसे सुयोग्य व्यक्तियो के हाथो मे रहेगा। चाहे आप कुर्सी पर विराजमान हो चाहे श्री भट्ट साहब इस कुर्सी पर विराजमान हो, यहां इस सदन की कार्यविधी को दूसरे प्रान्तो के सदन सम्मान की निगाह से देखेगे और कहेगे कि यही हरियाणा का सदन जो पिछले दिनो बुरी बातो के लिए प्रख्यात था अब उसका स्तर कितना ऊंचा है।

अध्यक्ष महोदय, अपोजी ान के भाई इस चुनाव के दौरान सदन से उठकर चले गये। उनको बाद मे यह पता चलेगा कि उनका यहा से उठ कर चले जाना एक प्रकार की भूल थी। अगर ये परम्परओ की बात करते, मान मर्यादाओ की बात करते औश्र यह सोचते कि अब इस सदन का नेतृत्व बडे ही सही व कु ाल हाथो मे होगा तो भाायद वे कभ उठकर बाहर न जाते। आज हम जो वायदे जनता से करके आये है उनको ने केवल उजागर करने का रास्ता निकालते बल्कि उनको लागू करने का रास्ता भी निकालने की प्रक्रिया आपके निर्दे ान मे निकालते लेकिन उन भाईयो ने ऐसा नही किया। इन्ही भावनओ के साथ मै एक बात फिर अपने भाई भट्ट साहब को उपाध्यक्ष पद पर विर्विरोध चुने जाने के लिए अपने दिल की गहराईयो के साथ बधाई देती हू। और साथ ही अपने सदन के नेता को भी इसके

लिए बधाई देती हू क्योकि इन्होने हम उस व्यक्ति को जो अपने किसी मूल्य के लिए समर्पित है प्रोत्साहन दिया है। सम्मान दिया हैं हम सब इसमे अपना सम्मान महसूस करते है। इन भाब्दो के साथ मे अपना स्थाल लेती हू।

श्री मोहम्मद असलम खा (छछरोली): स्पीकर सर, मै आपको स्पीकर व श्री सुमेर चन्द भट्ट जी को डिप्टी स्पीकर पद पर बिना मुकाबिले चुने जाने पर हार्दिक मुबारिकवाद देता हूं। आपने श्री भट्ट साहब की काबिलियत के बारे मे जो कुछ यहां पर मेरे से पहले बोलने मैम्बर साहेबान ने कहा उसको बार बार दोहराना अच्छा तो नही लगता लेकिन फिर भी मै आपकी काबिलियत व भट्ट साहब की नेक नीतियो की प्र ासा अव य करूगा। जैसकि सबने जिकर भी किया है मै समझता हू कि आप दोनो अपनी सूझ बूझ से इस महान सदन को अच्छे तरीके से चलाएगे। जो लोग इस चुनाव के वक्त इस हाउस से उठकर चले गये है उनके बारे तो आपको पता चल ही गया होगा कि उन्होने इस हाउस की कितनी मान मार्यदाओ का ध्यान रखा है मै आपको बताना चाहता हू कि मै 1987 से 1991 तक इस हाउस का मैम्बर रहा हू और इन भाईयो ने कभी भी हमे यहां बोलने का अवसर नही दिया। अगर हम बोलने के लिए खडे होते थे तो ये कह देते थे कि बिठा दो इनको। मै इन भाईयो के बारे मे तब बताना चाहूगा जब से सभ इस हाउस मे मौजूद होगे कि उन्होने इस हाउस मे क्या क्या किया था। किस तरीके से उन्होने हाउस को

चलाया। आप जब उनके बारे मे सुनेगे तो आप स्वय ही हैरत मे पड जाएगे कि वाकई इस तरीके से पीछे हाउस चलता रहा है। आपको पता है कि पचायतो मे भी किसी न किसी तरीके से मान मार्यदाओ का ध्यान रखा जाता है लेकिन इन भाईयो की सरकार ने तो उसका भी ध्यान न रखा। भाोर भाराबे के अलावा इस हाउस के पीछे कुछ नही हुआ। बस इतना कहते हुए मै आपको व श्री भट्ट साहब जी को अध्यक्ष व उपाध्यक्षप पद पर चुने जाने के लिए दोबारा मुबारिकबाद देता हुआ अपना स्थान लेता हू। जय हिन्द।

श्री मनी राम (ऐलनाबाद अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महादेय, मुझे भट्ट साहब को बधाई देते हुए बहुत खु ाी महसूस हो रही है। श्री भट्ट साहब के नाम का चयन करके हमारे सदन के नेता ने वाकई अपनी काबिलियत का सबूत दिया है और दे ा के आगे एक उदाहरण पे ा किया है। अध्यक्ष महोदय, हमे आज ऐसा महसूस हो रहा है कि आप दोनो हमारे स्पीकर है। ठीक है कि भट्ट साहब डिप्टी स्पीकर है। लेकिन काबिलियत के मामले मे वे किसी से कम नही है। जब वे बीस नुकाती प्रोग्राम के डिप्टी चैयरमैन थे तो वे सिरसा आए थे। उस वक्त हमने देखा कि उनमे वाकई गहराई तक जाने की काबिलियत है। हम उनको 3–4 गावो मे लेकर गए थे। हमने उनको उन गावो की समस्याए बताई और उन्होने उनको फोरन समझ लिया और उनको हल करने का आ वासन दिया लेकिन दूसरी सरकार आने की वजह से यह बात सिरे नही चढ सकी। उनके बारे मे यहा पर बैकवर्ड क्लास का नाम

लिया गया। बैकवर्ड क्लास के लोग तो हम है। भट्ट साहब तो इटेलैक्चुयल क्लास के है। इसलिए मै उनको बैकवर्ड क्लास का कहने पर एतराज करता हू। वे सरवैट औफ पीपल्ज सोसाइटी के लाईफ मैबर है और उनकी हर बात मे बहुत ज्ञान है। हम उनको इस पद पर आसीन होने के लिए बार बार बधाई देते है धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैबर्ज, मै भी अपने आपको सभी सदस्यो के साथ भट्ट साहब को बधाई देने से सम्मिलि करता हू। भट्ट साहब का जीवन समाज सुधारक के रूप मे रहा है और उनके गाधीवाद विचार हैं कवि ने कहा है

'पहुची वही पर खाक जहा पर खुमार था।'

तो सारी उमर इन्होने अगल अगल आर्गेनाइजे ाज मे समाज सेवा की है। चाहे वह भारत सेवक समाज हो, चाहे लालाल लाजपत राय से सबधित हो, राजश्ररी पुरोशोतम दास के नाम से हो या जो पुरानी भारतीय सस्कृति के अग्रदूत रहे है, स्वतन्त्रता सेनानी रहे है उनसे संबधित हो। गांधी जी ने जो रास्ते दिखाए वि ोश कर देहात की सेवा के, उन पर भी ये अमल करते रहे है भट्ट साहब भाहर को रिप्रजैट करते है इसलिए वे गांव के साथ साथ भाहर की भी सेवा कर रहे है। इन्होने अलग अलग औहदो पर रहते हुए अपनी पार्टी का भी काम किया है और वि ाशकर लिखा पढी मे ये बहुत की काबिल व्यक्ति है। इसमे नए विचार है।

ब ार्ते कि ये इसकी कार्यरूप दे सके। मै सभी सदस्यो के साथ इनकी डिप्टी स्पीकर बनने पर बधाई देता हू।

18.00 बजे

श्री उपाध्यक्षः स्पीकर साहब, मै आपका और इस हाउस मे साीी सदस्यगण का बहुत म ाकूर हू। जो अलफाज इन्होने मेरे बारे मे कहे उनके लिए मै कहना चाहता हू मै तो एक बहुत ही साधारण सा कार्यकर्ता हू। आज से चालीस साल पहले एक विचार के तहत मैने अपना काम भाुरू किया था और वह भी बिना किसी उम्मीद के कि मेरे ऊपर भी कभी इस तरह की जिम्मेवारी हरियाणा के लोगो के दवारा या हमारी विधान सभा के दवारा डाली जाएगी। जब हमने अपने काम की भाुरूआत की थी तो मुझे तो कभी ऐसी उम्मीद भी नही थी। अभी मुख्यमंत्री जी ने जब मेरे नाम का प्रस्ताव किया तो इन्होने मुझे इन्ट्रोड्यूस करते वक्त मेरे बारे मे कहा कि मै बैकवर्ड क्लास से हू। असल मे मुझे इसमे आपत्ति भी नही है और आपत्ति है। भी । इस जात पात ने ही हमारे दे ा की सारी राजनीति का सत्याना ा किया है। एक व्यक्ति की योग्यता का ताल्लुक किसी जाति से संबध रखने या रखने ये नही होना चाहिए। मुझे इस बात का फक्र है कि मै गरीबो के साथ बचपन से ही जुंडा रहा हू। वर्श 1951 मे विनोवा भावे ने हमे एक नारे के तहत हमने प्रतिज्ञा की कि हम इस दे ा के गरीबो के लिए जो कुछ भी कर पाऐगे वह करेगे। उन्होने स्वय मण्डल के आजीवन सदस्य के तौर पर आने के लिए कहा तेा बखूबी हमने

उस चीज को कबूल किया। स्पीकर साहब, आज से यह हाउस अपने सै ान की भुरूआत कर रहा है। इस पर हरियाणा की डेढ करोड जनता की आंख लगी हुई है और सच्चाई तो यह है कि जब एक नया हाउस बनता है ते लोग उसमे कुछ उम्मीद रखते है जिस ढग से हमारे दे ा मे डैमोक्रेटिक सिस्टम पनपा है उसमे बहुत सी कमिया, बहुत सी खामिया धीरे धीरे आ चुकी है। हमने एक तरह से डैमोक्रेटिक सिस्टम को तोड मरोड कर अपनाया है। जब मै 1977 मे इस असैम्बली का मैम्बर बना उस समय मै यह जानना चाहता था कि किसका क्या काम है। उस समय मुझे लगा कि यह हाउस तो मिलता ही बहुत थोडी देर के लिए है ओर हम एक गलत उम्मीद कर बैठते है कि न मालूम यह क्या कर देगा। हमारे कई माननीय सदस्यो ने इस बात की तरफ हमारा ध्यान दिलाया है कि हउस की बैठके बढाई जाएं। मै मुख्यमंत्री जी से यह दरखास्त करूगा कि हाउस की डयूरे ान बढाना जरूरी है। लेकिन उससे भी जरूरी यह बात है जिस उम्मीद को ले कर सरकार बनती है क्या हमारे लेजिस्लेटर का कडक्ट उस उम्मीद के मुताबिक पूरा उतरता है। अगर मकैनिकल फक ानिंग सै ान का होता है और उसको हम फटाफट खत्म करने मे वि वास रखे तो सदन के कार्य मे किसी सदस्य को दिलच्सपी नही रहेगी। इस हाउस से लोगो को क्या क्या उम्मीदे है क्या निश्ठा है लोगो की क्या समस्याए है और वे हम से लेजिस्लेटर के नाते क्या चेज चाहते है इस दि ाा मे भी कदम उठाया जाना बहुत ही जरूरी है। मैने हाउस औफ कौमन्ज की फक ानिंग देखी है। वहा चन्द

आदमी ही हाउस मे मौजूद होते है उनका बहुत ही ऊंचा स्टैडर्ड है। वह बहुत ही गहराई से लोगो समस्यओ के बारे मे बात करते है और फैसला करते है। हाउस औफ कौमन्ज की फक ानिग को देख कर जब हम अपनी फक ानिंग को देखते है तो ऐसा लगा है कि हम बहुत ही सुपरफि ायल लैवल पर है। हम किसी ने किसी तरह से जल्दबाजी मे कोई फैसला कर बैठते है और यह सोचते है कि हमने अपने फर्ज की अदायगी कर दी है। जहां तक डैमोक्रेटिक टैम्परामैट का ताल्लुक है उसकी आप और चीफ मिनिस्टर साहब बहुत सही तर्जमानी करते है। मुझे उम्मीद है कि आप दोनो के मिलने से कमेटी सिस्टम को हरियाणा प्रदे ा मे कुछ नई दि ाा मिलेगी और नई गति मिलेगी। गवर्नमैट की जो डे टू डे फक ानिंग है उसको देखते हुए हम कुछ कीर्तिमान स्थापित कर पाएगे। मै यह उम्मीद दिलाता हू कि हाउस का जो बुनियादी मतलब है, जिस मतलब के लिए लोगो ने हमको चुना है उस उदे य को समाने रखते हुए कोई भेदभाव मेरे समय मे नही होगा। सभी मैम्बर्ज को अपनी अपनील बात कहने का पूरी आजादी होगी ताकि वे अपनी बात खुले तौर पर हाउस मे कह सके। आप सभी का एक बात फिर बहुत धन्यवाद ।

Mr. Speaker: Hon'ble Memers, as the Governor is to address the House at 9.30 a.m tomorrow, the 10th July, 1991, the House is adjourned till immediately half an hour after teh conclusion of the Governor's Address.

18.06 hours

(The Sabha then adjourned till immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address on Wednesday, the 10th July, 1991).